वर्ष : 17 ❖ अंक : 210 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
मंगलवार, 07 मार्च 2023

राबड़ी देवी के आवास पर सीबीआई की छापेमारी 3 | खेती के क्षेत्र में आगे आएं युवा : लोकनाथ शर्मा 8

अश्विनी वैष्णव ने जारी किया 'गो ग्रीन, गो ऑर्गेनिक' कवर

2024 तक सिक्किम पहुंचेगी देश की हाईटेक ट्रेन वंदे भारत : रेल मंत्री

'सिक्किम को स्वाधीनता दिवस से पहले मिलेगी 5जी सेवाएं'

अश्विनी आनंद

गंगटोक, 06 मार्च । केंद्रीय रेल, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सिक्किम के विकास के रोडमैप को लेकर आज यहां सम्मान भवन में विभिन्न संबंधित विभागों के मंत्रियों और विभागाध्यक्षों के साथ एक बैठक की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने 'गो ग्रीन, गो ऑर्गेनिक' विषय के साथ एक विशेष पोस्टल कवर भी जारी किया। वैष्णव ने कहा कि विशेष कवर जैविक खेती और प्रगति में राज्य की उपलब्धियों का एक वसीयतनामा है और पूरे देश के लिए सतत विकास के महत्व की याद दिलाता है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज सोमवार को कहा कि सिक्किम को इस साल स्वाधीनता दिवस से पहले 5 जी सेवाएं मिल जाएंगी। 'गो ग्रीन, गो ऑर्गेनिक' शीर्षक वाला डाक लिफाफा जारी करने के बाद कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री वैष्णव ने कहा कि केंद्र का अगले डेढ़-दो सालों में देश में सभी गांवों को 4जी और 5जी सेवाओं के अंतर्गत लाने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि सिक्किम को इस साल 15 अगस्त से पहले 5 जी सेवाएं मिलेंगी।

यहां अपने सम्बोधन में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सिक्किम यात्रा पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पूर्वोत्तर राज्यों के विकास पर विशेष ध्यान देने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उद्देश्य से सभी को अवगत कराया। इस संदर्भ में, उन्होंने दिसम्बर 2024 तक सिलीगुड़ी से रंगपो तक रेल सेवाओं का संचालन शुरु होने की बात कही और निर्धारित अवधि में इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए राज्य सरकार तथा सम्बंधित विभागों से सहयोग और सामूहिक प्रयास पर जोर दिया।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि सेवक-रंगपो रेलवे परियोजना का काम तीव्र गति से चल रहा है और इस रेलमार्ग के बन जाने के बाद सिक्किम के विकास की रफ्तार तेज होगी। उन्होंने कहा कि हिमालयी क्षेत्र के इस कठिन इलाके में कई पुल और सुरंग बनाने का काम है। इसके बावजूद यह अच्छी प्रगति पर है। रेल मंत्री ने कहा कि भारतीय रेल सेवक-रंगपो रेल लिंक परियोजना का पहले गंगटोक तक और फिर भारत-चीन सीमा पर स्थित नाथुला तक सम्प्रसारण करेगी। चूंकि यह परियोजना भविष्य की कनेक्टिविटी के साथ रणनीतिक महत्व का भी है और रक्षा आवश्यकता को पूरा करने में महत्वपूर्ण है, इसलिए रेलवे बेहतर संचार के लिए तथा देश की सुरक्षा को और अधिक मजबूत करने के लिए यह काम करेगा। उन्होंने बताया कि कल रविवार को ही उन्होंने इस परियोजना का निरीक्षण भी किया था।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि दिसम्बर 2024 तक वंदे भारत ट्रेन सिक्किम के रंगपो पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा कि रंगपो से राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों तक रेलवे लाइन का विस्तार करने की योजना है। रेलमंत्री ने कहा कि इस बात को ध्यान में रखते हुए सरकार इस दिशा में कई प्रयास कर रही है कि वंदे भारत के राज्य में शुरु होने से सिक्किम के रंगपो से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और सरकार इन्हीं संभावनाओं का लाभ उठाना चाहती है। जिससे न सिर्फ पूर्वोत्तर के राज्यों का क्षेत्रीय विकास होगा बल्कि साथ ही उनके लिए आर्थिक तरक्की के द्वार भी खुल सकें।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में कई कनेक्टिविटी परियोजनाएं हैं और सभी अच्छी तरह से प्रगति पर हैं। इससे पहले, पूर्वोत्तर राज्यों में 2014 तक रेलवे के लिए औसत वार्षिक आवंटन लगभग 2000 करोड़ रुपये हुआ करता था। अब, हाल ही में घोषित बजट में इसे पांच गुना बढ़ाकर 10,000 करोड़ रुपये का वार्षिक आवंटन किया गया है। रेलमंत्री ने कहा कि भारतीय रेल सेवक-रंगपो रेल लिंक परियोजना का पहले गंगटोक तक और फिर भारत-चीन सीमा पर स्थित नाथुला तक सम्प्रसारण करेगी। चूंकि यह परियोजना भविष्य की कनेक्टिविटी के साथ रणनीतिक महत्व का भी है और रक्षा आवश्यकता को पूरा करने में महत्वपूर्ण है, इसलिए रेलवे बेहतर संचार के लिए तथा देश की सुरक्षा को और अधिक मजबूत करने के लिए यह काम करेगा।

इसके साथ ही उन्होंने हाल के दिनों में संचार, मोबाइल उद्योग और अत्याधुनिक वंदे भारत ट्रेनों के क्षेत्र में देश की उपलब्धियों के अलावा डाक घर निर्यात जैसी डाक योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने विभागों से ऐसी योजनाओं के बारे में आम जनता को जागरूक करने का आग्रह किया।

इस दौरान नॉर्थ ईस्ट पोस्टल सर्विस के चीफ पोस्टमास्टर जनरल सुब्रत दास ने कार्यक्रम में भाग लेने के लिए केंद्रीय मंत्री, सिक्किम के कैबिनेट मंत्रियों और विभिन्न सम्बंधित विभागों के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय मंत्री ने डाक विभाग को धन्यवाद दिया और सिक्किम राज्य को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स (लंदन) द्वारा जैविक राज्य के रूप में मान्यता प्राप्त करने वाला दुनिया का पहला राज्य बनने की उपलब्धियों के लिए बधाई दी। डाक विभाग अपने विशेष कवर के माध्यम से देश की संस्कृति और विरासत को बढ़ावा देने में सहायक रहा है। यह रिलीज सिक्किम की समृद्ध संस्कृति और देश के कृषि क्षेत्र में इसके योगदान के लिए एक श्रद्धांजलि है। यह बढ़ावा देने की दिशा में राज्य के प्रयासों की पहचान है। वैष्णव ने कहा, जैविक खेती और सतत विकास।

कार्यक्रम में राज्य के पर्यटन व नागरिक उड्डयन, वाणिज्य व उद्योग मंत्री बी.एस. पंथ, शिक्षा व विधि विभाग, भू-राजस्व व आपदा प्रबंधन तथा खेल व युवा मामले विभाग के मंत्री केएन लेप्चा, कृषि, बागवानी व पशुपालन मंत्री लोकनाथ शर्मा, विद्युत व परिवहन मंत्री एमएन शेरपा एवं अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए।

लाचुंग पहुंचे केंद्रीय रेल व संचार मंत्री वैष्णव

'तीन महीने में ब्रॉडबैंड समस्या के समाधान का किया वादा'

अनुगामनी नि.सं.

मंगन, 06 मार्च । केंद्रीय रेल, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव आज अपनी सिक्किम यात्रा के दौरान लाचुंग पहुंचे। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक सह राज्य के सड़क व सेतु मंत्री साम्दुप लेप्चा, विभाग के लाचुंग पाइपोन अधिकारियों और स्थानीय लोगों ने बड़ी गर्मजोशी से उनका पारम्परिक स्वागत किया।

इस दौरान केंद्रीय रेलमंत्री ने अपने वक्तव्य में अगले तीन महीनों में ब्रॉडबैंड कनेक्शन का सकारात्मक समाधान करने और 2024 तक सिक्किम में 'वंदे भारत' ट्रेन स्टेशन के बुनियादी ढांचे की स्थापना का भी आश्वासन दिया। अपने सम्बोधन में केंद्रीय मंत्री ने गर्मजोशी से स्वागत के लिए लाचुंग वासियों के प्रति आभार जताया और सीमावर्ती क्षेत्रों के गांवों तक जाने का उद्देश्य बताया। उन्होंने इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की जरूरतों को समझने की आवश्यकता व्यक्त की जिससे कि वे केंद्रीय वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत टेली कनेक्टिविटी, रोड कनेक्टिविटी और कई विकासात्मक परियोजनाओं जैसे आवश्यक विकास का लाभ उठा सकें।

वहीं इस अवसर पर स्थानीय लोगों की शिकायतों को दूर करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने लाचुंग में कॉमन सर्विस सेंटर खोलने के साथ ही विशेष कवर का विमोचन एवं सुकन्या कार्ड का वितरण भी किया। इसके अलावा, अपने दौरे में वे इलाके के ठुमची गुम्पा, थोमची माध्यमिक विद्यालय, डाकघर और लाचुंग मठ भी गये। वहां उन्होंने स्कूली छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत की और उनके दिल्ली शैक्षणिक भ्रमण की आवश्यकता बतायी।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री के साथ प्रधान सचिव महात्मे संदीप नामदेव, ओएसडी वेद प्रकाश, मंगन डीसी हेम कुमार छेत्री के अलावा चुंगथांग एडीसी विकास, चुंगथांग एसडीएम, चुंगथांग, लाचुंग एवं लाचेन के एसडीपीओ एवं अन्य भी उपस्थित रहे।

केंद्रीय रेल मंत्री ने की राज्यपाल से मुलाकात

रंगपो-संवक रेलमार्ग व अन्य विषयों पर हुई चर्चा

अनुगामनी का.सं.

गंगटोक, 06 मार्च । केंद्रीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से राजभवन में शिष्टाचार भेंट की।

इस भेंट वार्ता के दौरान सेवक-रंगपो रेल मार्ग के अब तक के विकास तथा रंगपो-नाथुला तक रेल मार्ग का विस्तार किए जाने पर महत्वपूर्ण चर्चा की गई। पूर्वोत्तर में रेलवे के विकास को विशेष प्राथमिकता दिए जाने के अंतर्गत सिक्किम में रेलवे के विस्तार को बढ़ावा दिया जा रहा है। सेवक-रंगपो रेल मार्ग के विकास के बाद अब नाथुला तक रेल मार्ग के विस्तार का कार्य किया जा रहा है। इस पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए माननीय राज्यपाल ने कहा कि रेल यातायात से सिक्किम में निश्चय तौर पर उद्योग, रोजगार आदि को बढ़ावा मिलेगा।

अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से घिरे राज्य के कारण इसे देश की सुरक्षा की दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि समय की बचत के साथ आरामदायक रेलवे यातायात निश्चय ही देश की प्रगति,उन्नति के मार्ग को प्रशस्त करेगा।

भारत को बदनाम करने का कोई मौका नहीं छोड़ते राहुल : अनुराग ठाकुर

राजेश अलख

नई दिल्ली, 06 मार्च । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी के बयान पर घामासान मचा हुआ है। अब उनके बयान पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने तंज कसा है।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा है कि वे विवादों की आंधी बन चुके हैं और विदेशी दोस्त या विदेशी एजेंसियों या विदेशी चैनल या फिर विदेशी धरती का दुरुपयोग कर भारत को बदनाम करना उनकी आदत बन चुकी है। ठाकुर ने आरोप लगाया कि ऐसा लगता है कि अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए राहुल गांधी ने सुनियोजित तरीके से विदेशी धरती से भारत को बदनाम करने का ठेका ले रखा है। उनकी भाषा, विचार और कार्यशैली सब कुछ संदिग्ध सा लग रहा है और ये कोई पहली बार नहीं हो रहा है।

राहुल गांधी पर सेना का अपमान और भारत के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि हमारे सेना के जवान शहीद हुए और राहुल गांधी कह रहे हैं कि कार बम में कुछ लोग मर गए, भारतीय सेना को लेकर यह राहुल गांधी की सोच है।

राहुल गांधी के बयान की निंदा करते हुए ठाकुर ने कहा कि भारत के मसले को संयुक्त राष्ट्र में ले जाने वाली कांग्रेस और राहुल गांधी अभी भी गुलामी की मानसिकता से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी कमजोर हो सकती है लेकिन भारत कमजोर नहीं है कि वो अमेरिका को हस्तक्षेप करने को कहे। भारत के लोग, भारतीय लोकतंत्र और भारतीय सेना भी मजबूत है और भारत के पास ताकतवर और दूरऑष्टि रखने वाला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व भी है जिस पर पूरी दुनिया को भरोसा है।

राहुल गांधी को देश के साथ विश्वासघात नहीं करने की नसीहत देते हुए अनुराग ठाकुर ने आगे कहा कि विदेश नीति पर आक्षेप उनकी निम्न बौद्धिक स्तर का परिचायक है। वे स्वयं भ्रष्टाचार के मामले में जमानत पर हैं इसलिए संवैधानिक संस्थाओं से उनका भरोसा उठ गया है और वे लगातार झूठ बोल रहे हैं।

केजरीवाल ने पिछले 10 वर्षों में दिल्ली को 'घोटालों की राजधानी' बना दिया : अनिल कुमार

नई दिल्ली, 06 मार्च (एजेन्सी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनिल कुमार ने कहा कि सीबीआई द्वारा रिमांड नही बढ़ाने पर शराब घोटाले में मुख्य दोषी मनीष सिसोदिया अब पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन के साथ तिहाड़ में रहेंगे और शराब घोटाले की आंच के कारण सौरभ भारद्वाज और आतिशी पर भी जांच चल रही है, और कैलाश गहलोत 4288 करोड़ के डीटीसी घोटाला सीबीआई के अंतर्गत है।

कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनिल कुमार ने कहा दिल्ली को घोटले की राजधानी बनाने वाले मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की तिहाड़ में सरकार होगी, जबकि शराब घोटाले में अरविन्द केजरीवाल मास्टर माइंड हैं।

आगे अनिल कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल से इस्तीफे मांग करते हुए कहा कि दिल्ली को घोटाले की राजधानी बनाने वाले भ्रष्टाचार के संरक्षक अरविन्द केजरीवाल के 10 वर्षों के कुशासन में 10 महाघोटाले हुए, जबकि प्रशासनिक व मध्यम स्तर के भ्रष्टाचार के मामलों की कोई गिनती नहीं है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की देखरेख में शराब घोटाला, बस घोटाला, शौचायलय घोटाला, क्लॉसरुम घोटाला, विज्ञापन घोटाला, जल बोर्ड घोटाला, बिजली सब्सिडी घोटाला, हॉस्पिटल घोयाला, सीसीटीवी घोटाला और पूसा डीकंपोजर घोल घोटाला हुऐ हैं। इनके अलावा राशन घोटाला, वक्फ बोर्ड घोटाला, पीडब्लूडी घोटाला भी बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है। यह सभी भ्रष्टाचार के मामले दिल्ली की जनता के सामने है, जिनकी जांच सरकारी एजेंसिया कर रही है या कोर्ट के आधीन है।

अनिल कुमार ने कहा कि बढ़ते भ्रष्टाचार, महंगाई, और बेरोजगारी पर धरना प्रदर्शन करने वाली आम आदमी पार्टी अपने पार्टी उदय के उदेश्य से हटकर मनीष सिसोदिया और सत्येन्द्र जैन की जेल में जाने के बाद मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल व प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। उन्होंने कहा कि जिस दिल्ली को 15 वर्षों में कांग्रेस ने विकसित राजधानी बनाया था उसे आम आदमी पार्टी की अरविन्द केजरीवाल सरकार ने घोटाले की राजधानी, नशे की राजधानी, प्रदूषित राजधानी और रेप केपिटल जैसे नामों से सुशोभित किया है, दिल्ली को बर्बाद करने की जिम्मेदारी लेते हुए केजरीवाल मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें।

एयरटेल ने 125 शहरों में 5जी प्लस सेवाएं शुरु कीं

नई दिल्ली, 06 मार्च (एजेन्सी)। भारती एयरटेल ने सोमवार को 125 शहरों में अपनी अल्ट्रा-फास्ट 5जी सेवा शुरू करने की घोषणा की। एयरटेल 5जी प्लस सेवा अब देश के 265 से अधिक शहरों में ग्राहकों के लिए उपलब्ध है।

भारती एयरटेल के सीटीओ रणदीप सेखों ने एक बयान में कहा, 'एयरटेल में, हम अपने ग्राहकों को उच्चतम गुणवत्ता वाले नेटवर्क और सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, हम आज 125 और शहरों में इसकी शुरुआत कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'हमारा 5जी रिलीज मार्च 2024 तक सभी कस्बों और प्रमुख ग्रामीण क्षेत्रों को कवर करने के लिए ट्रैक पर है।'

विश्वसनीय एयरटेल नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्च र द्वारा संचालित, 5जी प्लस सेवाएं हाई-डेफिनिशन वीडियो स्ट्रीमिंग, गेमिंग, मल्टीपल चैटिंग, इंस्टेंट फोटो अपलोडिंग के लिए सुपरफास्ट एक्सेस प्रदान करेंगी।

कंपनी ने कहा कि 5जी प्लस सेवा की उपलब्धता का तेजी से विस्तार होता रहेगा- जिसमें देश के सभी कस्बों और गांवों में जल्द ही सेवा देना शामिल है। कंपनी देशव्यापी कवरेज की पेशकश करने की दिशा में काम कर रही है।

कंपनी ने कहा कि एयरटेल अब जम्मू से कन्याकुमारी के दक्षिणी सिरे तक हर बड़े शहर में अपनी 5जी सेवाएं दे रही है।

पिछले महीने, भारती एयरटेल ने उत्तर-पूर्व क्षेत्र के सभी राज्यों में अपनी 5जी सेवाओं की शुरुआत की थी।

एयरटेल 5जी प्लस सेवाएं कोहिमा, दीमापुर, आइजोल, गंगटोक, सिलचर, डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया में उपलब्ध हैं।

एयरटेल 5जी प्लस पहले से ही गुवाहाटी, शिलॉन्ग, इंफाल, अगरतला और ईटानगर में लाइव है।

कोलकाता में जल्द खुलेगा डब्ल्यूटीसी का शाखा कार्यालय : ममता

कोलकाता, 06 मार्च (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि न्यूयॉर्क के प्रसिद्ध वर्ल्ड ट्रेड सेंटर का एक शाखा कार्यालय जल्द ही कोलकाता में खोला जाएगा।

उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा, 'उनके प्रतिनिधियों की एक टीम 21 मार्च को कोलकाता आएगी। वे इस संबंध में राज्य सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेंगे। यह आने वाले दिनों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समुदायों के साथ हमारे संबंधों को मजबूत करेगा।'

उसने कहा 'कोलकाता पूरे पूर्वी भारत के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है।'

मुख्यमंत्री ने कहा, 'इसलिए इस शहर को पूर्वी भारत के प्रमुख शहर के रूप में चुना गया है। हम भी चाहते हैं कि कोलकाता देश के पूर्वी हिस्से में औद्योगिक गतिविधियों का प्रमुख गलियारा बने।'

उन्होंने यह भी कहा कि वल्र्ड ट्रेड सेंटर के शाखा कार्यालय की स्थापना के लिए भूमि की पहचान की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'यह वास्तव में हमारे शहर के लिए गर्व की बात है कि इस मामले में इसे अन्य सभी पूर्वी भारतीय शहरों पर वरीयता मिली है।'

कनवर्टेड मुस्लिम और ईसाइयों को नहीं मिलना चाहिए अनुसूचित जाति आरक्षण का लाभ : विहिप

नई दिल्ली, 06 मार्च (एजेन्सी)। आरएसएस से जुड़े संगठन विश्व हिन्दू परिषद ने हिन्दू धर्म के दलित समुदाय से कनवर्टेड होकर मुस्लिम और ईसाई बनने वाले लोगों को आरक्षण का लाभ मिलने की मांग का विरोध करते हुए कहा है कि हिन्दू दलितों को मिल रहे आरक्षण के लाभ में कोई बंटवारा नहीं होना चाहिए।

एक तरफ जहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुस्लिम समुदाय के साथ मेल मिलाप की कोशिशों के तहत लगातार बैठकें कर रहा है।

भाजपा मुस्लिम समुदाय को लुभाने के लिए लगातार देशभर में आउटरीच कार्यक्रम चला रहा है। यहां तक कि केंद्र सरकार ने इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस के.जी. बालकृष्णन की अध्यक्षता में आयोग का भी गठन कर दिया है, वहीं विश्व हिन्दू परिषद ने कनवर्टेड मुस्लिम और ईसाइयों को अनुसूचित जाति आरक्षण का लाभ नहीं मिलने को लेकर मोर्चा खोल दिया है।

ऐसे में सवाल यह खड़ा हो रहा है कि क्या मुस्लिम और ईसाइयों के मसले पर आरएसएस, विहिप, भाजपा और सरकार अलग-अलग किनारे पर खड़े हैं ? इस सवाल का जवाब देते हुए विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय कार्याध्यक्ष एडवोकेट आलोक कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिन्दू परिषद अलग-अलग किनारे पर नहीं है। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सरकार का मसला सरकार जाने लेकिन जहां तक विहिप का सवाल है उनका यह स्पष्ट मानना है कि मुस्लिम और ईसाई समुदाय को ओबीसी आरक्षण सहित अन्य कई लाभ मिल रहे हैं और कनवर्टेड मुस्लिम और ईसाइयों को अनुसूचित जाति आरक्षण का लाभ बिल्कुल नहीं मिलना चाहिए।

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में 'धर्मांतरण और आरक्षण' विषय पर 4 और 5 मार्च को आयोजित दो दिवसीय कॉन्क्लेव की जानकारी देते हुए आलोक कुमार ने बताया कि विहिप देशभर में सभी राजधानियों में इस तरह का कॉन्क्लेव करेगा। उन्होंने कहा कि विहिप तो बालकृष्णन आयोग के सामने जाकर अपनी बात रखेगा ही लेकिन वो अन्य लोगों और संस्थाओं से भी आयोग के सामने जाकर इस मांग का विरोध करने की अपील करता है।

विहिप नेता ने कहा कि आरक्षण कोई चैरिटी नही, संविधान में स्पष्ट तौर पर यह बताया गया है कि किस जाति को अनुसूचित जाति आरक्षण का लाभ मिलेगा, इसलिए जैसा है वैसा ही चलते रहना देश हित में है और इस व्यवस्था में परिवर्तन या बदलाव की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा कि वैसे भी मुस्लिम और ईसाई समुदाय के लोग यह दावा करते हैं कि उनके यहां जाति व्यवस्था नहीं है तो फिर आरक्षण की मांग क्यों ? इसलिए मुस्लिम और ईसाइयों को जो मिल रहा है वो पर्याप्त है और जो हिंदुओ को मिल रहा है वो उन्हें मिलते रहना चाहिए, उसमें बंटवारा उन्हें मंजूर नहीं है।

अदाणी फाउंडेशन द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी सम्मन कार्यक्रम आयोजित

गणेश सिंह 'विशाल'

सिंगरौली, 06 मार्च । अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर अदाणी फाउंडेशन द्वारा रविवार को आयोजित महिला सशक्तिकरण जागरूकता कार्यक्रम में करीब 300 ग्रामीण महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। माडा तहसील अंतर्गत महान इनर्जेन लिमिटेड से प्रभावित गांवों नगवा, बंधौरा, कर्सुआलाल और खैराही के विस्थापितों के लिए नगवा गांव में बनाये गए पुनर्वास कॉलोनी में आयोजित इस कार्यक्रम के मौके पर संगीत, नृत्य, भाषण एवं रंगोली प्रतियोगिताओं के माध्यम से यह सन्देश देने की कोशिश की गयी कि महिलाएं अपने साथ-साथ पूरे समाज को बदलने की ताकत रखती हैं, उन्हें जरूरत सिर्फ अपने आत्मबल को पहचानने की है। अदाणी फाउंडेशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित आत्मनिर्भर नारी सम्मान कार्यक्रम में आसपास के क्षेत्र की महिला सरपंच, उपसरपंच एवं चौरा उप स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य अधिकारी श्रीमती प्रियंका सिंह ने तुलसी के पौधे में पानी डाल कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि ' महिलाओं की आर्थिक निर्भरता न सिर्फ परिवार के लिए बल्कि देश की आर्थिक तरक्की में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।'

मंच के माध्यम से आशा सुपरवाइजर श्रीमती प्रेमलता जायसवाल ने महिलाओं को जागरूक एवं आत्मनिर्भर बनने की सलाह दी। कार्यक्रम में सफल संचालन में बंधौरा की सरपंच हीरामती सिंह, उपसरपंच सुनैना सिंह, नगवा सरपंच कुसुम पांडे, उपसरपंच तारामती, करसुआलाल की उपसरपंच राधा जायसवाल और अदाणी फाउंडेशन के मनोज प्रभाकर का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस मौके पर आजीविका मिशन की सीआरपी ज्ञानमती साह, कमलेश कुमारी, सत्यकुमारी, मानमती, आशा सुपरवाइजर चौरा उप स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारी माया विश्वकर्मा, सविता विश्वकर्मा ओमकारा शर्मा भी मौजूद थीं।

कार्यक्रम में देवचंद विश्वकर्मा, रवीना शर्मा, सेजल तिवारी, नेहा विश्वकर्मा ने अपने संगीत के माध्यम से दर्शकों का मनोरंजन किया जबकि नृत्य कार्यक्रम में नम्रता जायसवाल और अंशु जायसवाल का बेहतरीन प्रस्तुति रहा। भाषण प्रतियोगिता में ललिता विश्वकर्मा, पूजा शर्मा, उषाकिरण महिला उद्यमी ग्रुप से मुन्नी पनिका, उर्मिला जायसवाल, पुष्पा जयसवाल, नीरज साह और सरिता साह के अलावा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मीना पांडे, शोभा रानी, चंपा देवी, पुष्पा, सोनू गुप्ता ने भी हिस्सा लिया। आशा कार्यकर्ता फोटो यादव, इंद्रमती वियार, विमला, सुभागी, सरस्वती, सीता, रीता, प्रमिला एवं कुसुम कली भी इस कार्यक्रम में शामिल हुई। सभी स्थानीय महिलाओं ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर आयोजित इस आत्मनिर्भर नारी सम्मान कार्यक्रम को काफी सराहा और कहा कि हम सभी अदानी फाउंडेशन के इस काम से बहुत प्रभावित हैं।

सभी विजेताओं को अदाणी फाउंडेशन के तरफ से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं के बीच यह सन्देश पहुँचाना है कि वह हर मामले में आत्मनिर्भर और स्वतंत्र हैं और पुरुषों के बराबर सब कुछ करने में समर्थ भी हैं। ग्रामीणों ने अदाणी फाउंडेशन के इस कार्यक्रम का स्वागत करते हुए माना कि महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए अभी आगे मीलों लम्बा सफर तय करना है, जो दुर्गम एवं कठिन तो है लेकिन महिलाओं ने यह साबित किया है कि वो जीवन के हर क्षेत्र में कार्य को करने में सक्षम हैं। घर की चारदीवारी के अंदर रहने वाली महिलाएं आज अपने देश ही नहीं विदेशों में भी अपना परचम लहरा रही हैं। महिलाओं की इन्हीं उपलब्धियों को सराहने और उन्हें और ज्यादा सशक्त बनाने के लिए हर साल 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है।

देश में तेजी से फैल रहा एच3एन2, एम्स के पूर्व डायरेक्टर गुलेरिया ने कहा- यह कोरोना की तरह, बचाव का बताया तरीका

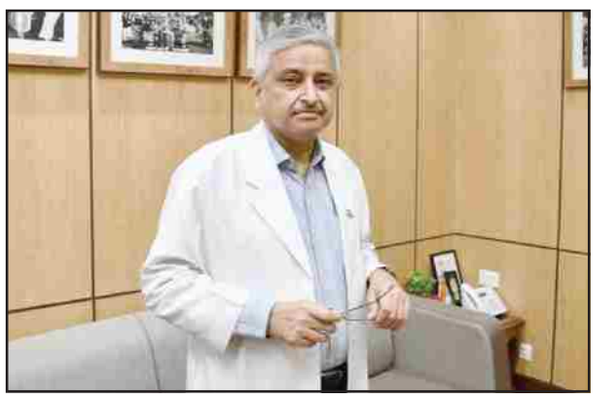

नई दिल्ली, 06 मार्च (एजेन्सी)। देश में एच3एन2 इंफ्लुएंजा के मामले में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के हालिया डेटा से भी पता चला है कि एच3एन2 - इन्फ्लूएंजा वायरस का एक सब टाइप है, जिसका पिछले दो-तीन महीनों से व्यापक प्रकोप है। आईएमए का कहना है कि कुछ मामलों में खांसी, मतली, उल्टी, गले में खराश, बुखार, शरीर में दर्द और दस्त के लक्षण वाले रोगियों की संख्या में अचानक वृद्धि हुई है। दिल्ली में फ्लू के रोगियों की संख्या में बढ़ोतरी देखने को मिली है। इस बीच एम्स के पूर्व डायरेक्टर रणदीप गुलेरिया ने कहा कि यह बीमारी कोरोना की तरह ही फैल रही है।

मेदांता अस्पताल में इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनल मेडिसीन रणदीप गुलेरिया ने कहा कि एच3एन2 एक प्रकार का इन्फ्लुएंजा वायरस है। यह हर साल इस समय के दौरान देखने को मिलता है। डॉ. गुलेरिया ने कहा कि हालांकि यह एक वायरस है जो समय के साथ उत्परिवर्तित होता है जिसे एंटीजेनिक ड्रिफ्ट कहा जाता है। उन्होंने कहा कि पहले एक महामारी-एच1एन1, वायरस देखने को मिला था। अब इसका सर्कुलेटिंग स्ट्रेन एच3एन2 है, इसलिए यह एक सामान्य इन्फ्लूएंजा स्ट्रेन है। उन्होंने कहा कि यह बीमारी कोरोना की तरह ही ड्रॉपलेट्स से फैलती है।

डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा कि इसलिए वर्तमान में हम इन्फ्लुएंजा के मामलों में वृद्धि देख रहे हैं। इसमें बुखार, गले में खराश, खांसी, शरीर में दर्द और नाक बहने के रोगी सामने आ रहे हैं। दिल्ली में भी फ्लू के मामले बढ़ रहे हैं। राजधानी के विभिन्न अस्पतालों की ओपीडी में इस तरह के रोगियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। डॉ. गुलेरिया ने कहा कि ऐसे में गंभीर बीमारी से ग्रस्त लोगों को अधिक सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग एहतियात के तौर पर मास्क पहनें, बार-बार हाथ धोएं। इसके अलावा फिजिकल डिस्टेंसिंग बनाए रखें। डॉ. गुलेरिया ने कहा कि इन्फ्लुएंजा के लिए भी हाई रिस्क वाले ग्रुप और बुजुर्गों के लिए वैक्सीन उपलब्ध है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि फ्लू के कारण अस्थमा के रोगियों और फेफड़ों के गंभीर संक्रमण वाले लोगों को सांस लेने में कठिनाई हो रही है। ऐसे में बुजुर्गों, बच्चों और गर्भवती महिलाओं के संक्रमित होने का सबसे ज्यादा खतरा बना हुआ है। आईएमए ने लोगों को भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचने, अच्छे से हाथ धोने के साथ ही फ्लू के वैक्सीनेशन की सलाह भी दी है। आईएमए का कहना है कि आमतौर पर 50 वर्ष से अधिक और 15 वर्ष से कम उम्र के लोगों में एच3एन2 का संक्रमण देखा जा रहा है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने एंटीबायोटिक दवाओं के इस्तेमाल के खिलाफ चेतावनी दी है।

ब्रिटिश भारतीय पूर्व-शीर्ष सुरक्षा अधिकारी बोले, पुलिस बल के भीतर संस्थागत नस्लवाद मौजूद है

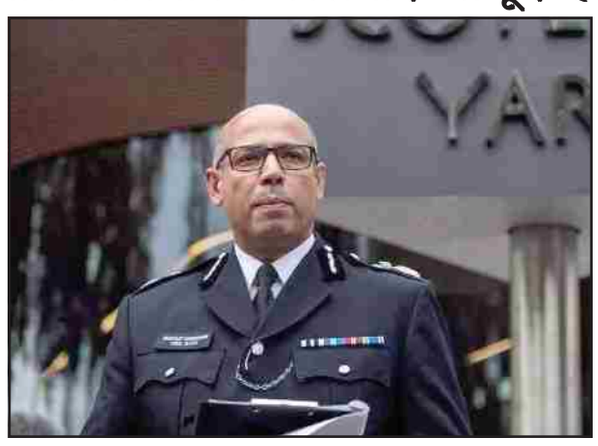

लंदन, 06 मार्च (एजेन्सी)। ब्रिटेन के सबसे वरिष्ठ भारतीय मूल के पुलिस अधिकारी ने कहा है कि देश के दो-तिहाई मुख्य कांस्टेबल या तो 'बहुत भयभीत' थे या बल में संस्थागत नस्लवाद को स्वीकार करने के लिए पर्याप्त परवाह नहीं करते थे।

द टेलीग्राफ के अनुसार, पिछले साल मेट्रोपॉलिटन पुलिस से सेवानिवृत्त हुए नील बसु ने कहा कि संस्थागत नस्लवाद से निपटने के लिए जातीय अल्पसंख्यकों की भर्ती करते समय 'सकारात्मक भेदभाव' पेश किया जाना चाहिए।

ब्रिटेन के पूर्व आतंकवाद-रोधी दस्ते के प्रमुख ने खुलासा किया कि कैसे एक मुख्य कांस्टेबल को उनके वरिष्ठ द्वारा बताया गया कि उन्हें बल को संस्थागत रूप से नस्लवादी कहने पर बर्खास्त कर दिया जाएगा।

नील बसु के अनुसार, पुलिस सेवा के भीतर जातीय अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधित्व को बेहतर बनाने के लिए नस्लवाद का मुकाबला करना पड़ता है।

उन्होंने क्रेस्ट के साक्षात्कारकर्ता डैनी शॉ को बताया, 'यदि आप अधिक लोगों को आकर्षित करते हैं, तो आपको अधिक आवेदक मिलते हैं। वे श्वेत मध्य-वर्ग के स्नातक आवेदकों की संख्या से बड़े पैमाने पर आगे निकल जाते हैं।'

अनुमान के अनुसार, ब्रिटिश पुलिस कर्मचारियों का लगभग आठ प्रतिशत एक जातीय अल्पसंख्यक है, जबकि 18 प्रतिशत आबादी अश्वेत, एशियाई, मिश्रित नस्ल या अन्य जातीय समूहों से संबंधित है।

1960 के दशक में कोलकाता से आए एक बंगाली डॉक्टर और एक वेल्श मदर के घर जन्मे बसु ने कहा कि 30 साल पहले जब वह पुलिस में शामिल हुए थे, तो वह भेदभाव नहीं चाहते थे।

द टेलीग्राफ में बसु के हवाले से कहा गया है, 'मैं चाहता था कि लोग सोचें कि मैं एक महान पुलिस वाला हूं। मैं नहीं चाहता था कि कोई मुझे एक महान पुलिस वाले के अलावा किसी और कारण से टांग दे। और हर कोई जिसे मैं एक संरक्षित विशेषता के साथ जानता हूं, चाहे वे महिला हों, समलैंगिक हों, काले हों, भूरे हों, वे भी बिल्कुल वैसा ही महसूस करते हैं। हम भेदभाव नहीं चाहते।'

बसु को ब्रिटेन की राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (एनसीए) के महानिदेशक के पद के लिए इत्तला दे दी गई थी, जो अमेरिका में संघीय जांच ब्यूरो के समकक्ष है। लेकिन अतीत में पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के साथ मतभेदों के कारण कथित तौर पर उन्हें ठुकरा दिया गया था।

बात उस समय की है, जब उन्होंने ब्रिटेन में पुलिस प्रमुखों को यह स्वीकार करने के लिए बुलाया था कि देश में पुलिसिंग में संस्थागत नस्लवाद है।

उन्होंने कहा था, 'मैं बहुत लंबे समय तक एक मुख्य अधिकारी के रूप में एकमात्र गैर-श्वेत चेहरा रहा हूं। मुझे नहीं लगता कि गृह कार्यालय इस विषय की परवाह करता है।'

पुलिस अधिकारी बनने के लिए बैंकिंग करियर छोड़ने वाले बसु ने कहा कि कम से कम एक तिहाई मुख्य कांस्टेबलों को शायद यह नहीं लगता कि वे संस्थागत रूप से कुछ भी हैं, और एक अन्य तीसरे 'हमारे फ्रंटलाइन द्वारा मनोबल कम करने से डरते हैं'।

मजबूत स्वास्थ्य सुविधाओं से मृत्यु दर में कमी : योगी

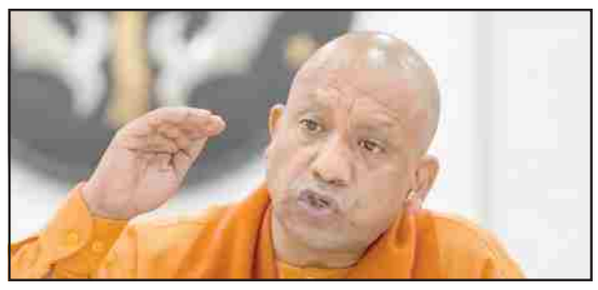

गोरखपुर, 06 मार्च (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं पर हर एक नागरिक का अधिकार है। सरकार तो इसके लिए सतत प्रयास कर ही रही है। संस्थाएं जब इसमें अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों को समझकर जुड़ती हैं तो उसका लाभ जनता को और बड़े पैमाने पर मिलता है।

गोरखपुर सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सानिध्य में एक सोपान और आगे बढ़ा। मुख्यमंत्री ने जंगल कौड़िया स्थित सीएचसी से यहां और चरगांवा (खुटहन) सीएचसी पर नवनिर्मित पीकू (पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट) का उद्घाटन किया। इन पीकू का निर्माण हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड ने कॉरपोरेट एनवायरनमेंट रिस्पांसबिलिटी (सीईआर) फंड से कराया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मजबूत हो रही स्वास्थ्य सुविधाओं से मृत्यु दर में काफी कमी आ रही है।

सीएम योगी ने कहा कि जैसे हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (हर्ल) की तरफ से पूर्ण हुए दो पीडियाट्रिक आईसीयू से जंगल कौड़िया की ढाई लाख और चरगांवा की ढाई लाख यानी कुल पांच लाख की आबादी लाभान्वित होगी। इससे स्पष्ट है कि स्वास्थ्य सुविधाएं जितनी मजबूत होंगी, शिशु, मातृ व अन्य मृत्यु दर को उतना ही नियंत्रित किया जा सकेगा।

स्वास्थ्य केंद्रों पर पीकू की महत्ता बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लंबे समय तक पूर्वी उत्तर प्रदेश का यह क्षेत्र मस्तिष्क ज्वर (इंसेफेलाइटिस) की चपेट में रहा। 1977-78 से लेकर 2017-18 तक 40 सालों में 50 हजार बच्चे इसकी वजह से असमय काल कवलित हो गए। कारण, समय पर उपचार न मिलना। उन्होंने बताया कि 2017-18 से उनकी सरकार ने बीमारी पर नियंत्रण को लेकर कार्यक्रम शुरू किया। स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि की। जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर पीकू, मिनी पीकू की व्यवस्था की। इन सबका परिणाम रहा कि इंसेफेलाइटिस से होने वाली मौतों पर 96 फीसद तक नियंत्रण पा लिया गया है। पहले जहां प्रतिवर्ष बारह सौ से पंद्रह सौ तक मौतें होती थीं वहीं अब यह संख्या लगभग शून्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा इंसेफेलाइटिस को लेकर हमें अभी सतर्कता बरतनी होगी। उपचार से अधिक बचाव पर ध्यान देना होगा। स्वच्छता, शुद्ध पेयजल, शौचालय के प्रयोग, सफाई, छिड़काव, टीकाकरण आदि को लेकर हमेशा जागरूक रहना होगा। सरकार बचाव और जागरूकता को लेकर साल में तीन से चार बार संचारी रोग नियंत्रण के विशेष अभियान चला रही है। साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं को भी लगातार मजबूत किया जा रहा है।

योगी ने कहा कि इंसेफेलाइटिस नियंत्रण को लेकर किए गए प्रयासों का अनुभव कोरोना काल के प्रबंधन में काफी काम आया। पहले 36 जिलों में एक भी आईसीयू बेड नहीं थे। आज उत्तर प्रदेश में सात हजार आईसीयू बेड सिर्फ बच्चों के लिए हैं। कोरोना से स्वास्थ्य सुविधाओं को और मजबूत करने के अवसर भी दिए।

सीएम योगी ने कहा कि करीब 31 वर्ष बाद एफसीआई के बंद कारखाने की जगह पर हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (हर्ल) ने खाद का उत्पादन प्रारंभ किया है। हर्ल की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखी थी और उन्हीं के हाथों इसका लोकार्पण भी हुआ। यह कारखाना कम जगह में पहले से ज्यादा क्षमता पर उत्पादन कर रहा है। हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड सौ फीसद से अधिक उत्पादन दे रहा है। इससे अब खाद की कोई किल्लत नहीं रह गई है। किसानों को कोरोना काल में भी समय पर खाद मिली। इस कारखाने का फायदा उत्तर प्रदेश के साथ ही बिहार और आसपास के राज्यों को मिल रहा है।

सीएम योगी ने पीकू निर्माण के लिए हर्ल को धन्यवाद देते हुए कहा कि खाद उत्पादन के साथ ही यह अपनी सामाजिक प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ा रहा है। हर्ल ने शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट और स्वास्थ्य के कार्यक्रमों को लेकर कई पहल शुरू किए हैं। इसकी तरफ से 17 स्वास्थ्य केंद्रों में पीडियाट्रिक आईसीयू बनाने की कार्यवाही शुरू की गई है। दो का निर्माण पूर्ण हो गया है। यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवा मिलेगी। कार्यदायी संस्था के रूप में गोरखपुर विकास प्राधिकरण इसका तीन वर्ष तक रखरखाव भी करेगा। सीएम ने विश्वास जताया कि शेष 15 स्वास्थ्य केंद्रों पर पीडियाट्रिक आईसीयू का निर्माण अगले तीन महीने में पूरा हो जाएगा।

राबड़ी देवी से सीबीआई की पूछताछ पर प्रियंका बोलीं- विपक्ष की आवाज को दबाना चाहती है बीजेपी

पटना, 06 मार्च (का.सं.)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से सीबीआई द्वारा पूछताछ किए जाने को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने नौकरी के बदले जमीन के कथित घोटाला मामले में सोमवार को बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा पूछताछ किए जाने को लेकर आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी विपक्ष की आवाज को दबाना चाहती है।

उन्होंने यह भी कहा कि लालू प्रसाद और उनका परिवार नहीं झुके, इसीलिए उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है।

प्रियंका गांधी ने ट्वीट किया, जो विपक्षी नेता भाजपा के सामने झुकने को तैयार नहीं हैं, उन्हें ईडी-सीबीआई के जरिये प्रताड़ित किया जा रहा है। आज राबड़ी देवी जी को परेशान किया जा रहा है। लालू प्रसाद जी व उनके परिवार को वर्षों से प्रताड़ित किया जाता रहा है, क्योंकि वे नहीं झुके ।

उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा विपक्ष की आवाज दबाना चाहती है।

उल्लेखनीय है कि सीबीआई के एक दल ने नौकरी के बदले जमीन के कथित घोटाला मामले की जांच के सिलसिले में बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से उनके आवास पर सोमवार को पूछताछ की।

अधिकारियों ने बताया कि आवास पर कोई तलाशी नहीं हुई या कोई छापा नहीं मारा जा रहा।

नीतीश ने जेडीयू को कर दिया है आरजेडी के हवाले, नाम के रहा गए हैं सीएम : उपेंद्र कुशवाहा

मुजफ्फरपुर, 06 मार्च (नि.सं.)। जेडीयू से अलग होने के बाद उपेंद्र कुशवाहा ने सीएम नीतीश के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। आये दिन जेडीयू और आरजेडी के खिलाफ बोलते रहते हैं। सोमवार को बिहार के मुजफ्फरपुर पहुंचे उपेंद्र कुशवाहा नीतीश कुमार पर जमकर बरसे। यहां पर पत्रकारों से बात करते हुए उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि सीएम नीतीश ने जेडीयू को आरजेडी के हवाले कर दिया है। कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार का जनाधार खिसक रहा है।

उपेंद्र कुशवाहा ने कुढ़नी उपचुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि उपचुनाव के रिजल्ट में ही दिख गया था। जेडीयू का जनाधार खिसक गया है। उदाहरण और आंकड़े पेश करते हुए कुशवाहा ने बताया कि 2020 के चुनाव में जेडीयू और बीजेपी साथ थी। बीजेपी उम्मीदवार को जेडीयू के साथ रहते जितना वोट मिला था, उतना ही वोट उनको उप चुनाव में भी मिल गया। इसका अर्थ है कि जो वोट जेडीयू का था वह भी बीजेपी को ही मिला। लव कुश समीकरण ध्वस्त हो गया।

पत्रकारों से बात करते हुए उपेंद्र कुशवाहा ने अपने पुराने ट्वीट का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कुढ़नी उपचुनाव रिजल्ट के बाद मैंने ट्वीट भी किया था। उस वक्ता मैंने लिखा था कि हमको जनता के अनुसार चलना होगा, जनता हमारे अनुसार नहीं चलेगी। मतलब साफ है कि नीतीश कुमार जनता के अनुसार नहीं चल रहे हैं। वे चाहते हैं कि जनता उनके अनुसार चले, जिसका परिणाम सबके सामने है।

वहीं, महागठबंधन में सीएम नीतीश के शामिल होने पर उन्होंने सवाल उठाया। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि हमलोगों के विरोध के बावजूद नीतीश कुमार आरजेडी से जुड़ गए, यह उनका व्यक्तिगत निर्णय था। कुशवाहा ने कहा कि समता पार्टी का गठन जिसके विरोध में हुआ था, आज उन्हीं लोगों के साथ जाकर नीतीश कुमार सरकार चला रहे हैं। भले ही हम वहां नहीं हैं। आज की तारीख में जेडीयू नीतीश कुमार की पार्टी है। कुशवाहा ने कहा कि जेडीयू को आरजेडी के हवाले होते देख सकते हैं, पर बिहार को आरजेडी के हवाले नहीं होने देंगे।

उपेंद्र कुशवाहा ने तर्क के साथ बताया कि नीतीश कुमार केवल नाम के मुख्यमंत्री हैं।

उन्होंने कहा कि जब पत्रकारों ने मंत्रिमंडल विस्तार पर सवाल किया तब मुख्यमंत्री ने कहा कि आप लोग तेजस्वी यादव से पूछ लीजिए। अब आपलोग ही बताइये की मंत्रिमंडल विस्तार का मामला कहीं उप मुख्यमंत्री के अंदर की चीज है क्या? दूसरा तर्क देते हुए कुशवाहा ने कहा कि एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को डिख्रटी सीएम का ढाई घंटे तक इंतजार करना पड़ा। इंतजार करना यह दर्शाता है कि अब मुख्यमंत्री खुद को पूरी तरह राजद के हवाले कर चुके हैं।

'हमारे यहां ये सब होते रहता है', सीबीआई की टीम के जाने के बाद बोलीं राबड़ी देवी

बीजेपी पर जमकर निशाना साधे तेजस्वी यादव

पटना, 06 मार्च (का.सं.)। सोमवार को बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पर सीबीआई की टीम पहुंची। बताया जाता है कि सीबीआई ने राबड़ी देवी से लगभग 8 घंटे तक पूछताछ की। जमीन के बदले रेलवे में नौकरी देने के मामले में राबड़ी देवी से पूछताछ की। जानकारी के अनुसार, सीबीआई की 12 सदस्यीय टीम राबड़ी देवी से पूछताछ की। इस दौरान तेजस्वी यादव और तेज प्रताप भी मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार, सीबीआई ने राबड़ी देवी को पूछताछ के लिए नोटिस दिया था। पहले ये पूछताछ सीबीआई ऑफिस में होनी थी। हालांकि बाद में राबड़ी देवी को राहत देते हुए सीबीआई ने आवास पर ही पूछताछ करने का फैसला लिया। जिस वक्त सीबीआई की टीम राबड़ी देवी से पूछताछ कर रही थी, उस वक्त राबड़ी आवास में लालू परिवार के वकील भी मौजूद थे।

सीबीआई की टीम राबड़ी अवास से बाहर निकलीं, तो राबड़ी देवी बिहार विधानसभा पहुंचीं। यहां पर पत्रकारों से बात करते हुए राबड़ी देवी ने कहा कि हमारे यहां ये सब चलते रहता है। कुछ नहीं हुआ है। इसके बाद राबड़ी देवी सदन के अंदर चली जाती हैं।

वहीं, राबड़ी आवास पर सीबीआई के पहुंचने और पूछताछ करने पर उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि यह सिलसिला 2024 तक जारी रहेगा। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि कोई केंद्र में मंत्री हो या बिहार का मंत्री हो क्या कोई नौकरी दे सकता है क्या। पटना में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें कोई चिंता की बात नहीं है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि बीजेपी को आईना दिखाने वालों के खिलाफ ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसी कार्रवाई कर रही है। जनता सब देख रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के साथ रहने या उनके साथ जाने वाले राजा हरिश्चंद्र हो जाते हैं। इसके कई उदाहरण भी उन्होंने दिए। तेजस्वी यादव ने कहा कि जब महागठबंधन की सरकार बन रही थी तभी मैं कहा था कि यह होता रहेगा। उन्होंने कहा कि जब लालू प्रसाद रेल मंत्री थे तब रेलवे को काफी मुनाफा हुआ था। जब कोई गलती हुई ही नहीं है तो इसमें चिंता करने की क्या बात है।

बता दें कि सीबीआई ने सोमवार को पूर्व रेल मंत्री लालू यादव और अन्य से जुड़े जमीन के बदले नौकरी घोटाले में आगे की जांच के लिए बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के पटना स्थित आवास पर पहुंची और लोगों से पूछताछ की। इस मामले में राबड़ी देवी, लालू यादव और अन्य को दिल्ली की एक अदालत ने 15 मार्च को तलब भी किया है।

तेजस्वी पर दबाव बनाने के लिए लालू पर भड़की सीबीआई : सिब्बल

नई दिल्ली, 06 मार्च (एजेन्सी)। राबड़ी देवी से पूछताछ के लिए सीबीआई की आलोचना की। कपिल सिब्बल ने कहा कि लालू पर दबाव बनाने के लिए ऐसा किया जा रहा है।

सिब्बल ने अपने ट्वीट में कहा, लालू पर सीबीआई की आंच और तेजस्वी के स्वास्थ्य की नाजुक स्थिति से हम सभी वाकिफ हैं। तेजस्वी पर दबाव बनाने के लिए सरकार जितना ऐसा करेगी जनता इस सरकार के खिलाफ होगी।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आईएएनएस को बताया कि यह कोई छापेमारी या तलाशी अभियान नहीं था, बल्कि टीम ने नौकरी के लिए जमीन के मामले में आगे की जांच के लिए बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के घर का दौरा किया।

विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र द्वारा उनके घर पर होली के त्योहार पर छापेमारी कर सीबीआई का दुरुपयोग किया जा रहा है। सीबीआई ने कहा, हम मामले में आगे की जांच कर रहे हैं।

मामले में राबड़ी देवी, लालू प्रसाद और अन्य को दिल्ली की राउज एवेन्यू जिला अदालत ने 15 मार्च को पेश होने के लिए समन भेजा है। सीबीआई को मामले में लालू प्रसाद के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी मिल गई है।

राबड़ी देवी के आवास पर सीबीआई की छापेमारी

जमीन के बदले नौकरी मामले में एक्शन

पटना, 06 मार्च (का.सं.)। जमीन के बदले नौकरी मामले में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। सीबीआई ने इस मामले में बड़ा एक्शन लेते हुए सोमवार को पटना में राबड़ी देवी के आवास पर छापा मारा है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को पूर्व रेल मंत्री लालू यादव और अन्य से जुड़े जमीन के बदले नौकरी घोटाले में आगे की जांच के लिए बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के पटना स्थित आवास पर पहुंची। एजेंसी के अधिकारियों ने न्यूज एजेंसी को बताया कि यह दौरा किसी छापे या तलाशी के लिए नहीं था, बल्कि घोटाले के सिलसिले में पूर्व मंत्री से पूछताछ करने के लिए था।

इस पर विपक्षी नेताओं ने केंद्र पर होली के त्योहार पर उनके घर पर छापेमारी करने के लिए सीबीआई का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

सीबीआई ने कहा, हम मामले की जांच कर रहे हैं।

राबड़ी देवी, लालू प्रसाद और अन्य को दिल्ली की राउज एवेन्यू जिला अदालत ने 15 मार्च को तलब किया है।

सीबीआई को मामले में लालू प्रसाद के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी मिल गई है।

जनवरी में, सीबीआई ने संबंधित अदालत के समक्ष अभियोजन स्वीकृति पत्र प्रस्तुत किया। इसने अक्टूबर में इस मामले में लालू प्रसाद, उनकी पत्नी, बेटी, तत्कालीन जीएम, मध्य रेलवे, तत्कालीन सीपीओ, निजी व्यक्तियों, उम्मीदवारों सहित 16 अभियुक्तों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था।

जांच से पता चला था कि आरोपियों ने मध्य रेलवे के तत्कालीन महाप्रबंधक और केंद्रीय रेलवे के सीपीओ के साथ साजिश रची थी। जांच एजेंसी के अनुसार, भूमि के बदले में या तो उनके नाम पर या उनके करीबी रिश्तेदारों के नाम पर लोगों को नियुक्त किया गया था।

यह भूमि प्रचलित सर्कुलर रेट से कम और बाजार दर से काफी कम कीमत पर अधिग्रहित की गई थी।

चार्जशीट में कहा गया है, उम्मीदवारों ने गलत टीसी का इस्तेमाल किया था और रेल मंत्रालय को झूठे प्रमाणित दस्तावेज जमा किए थे।

यह भी सामने आया कि लालू की पत्नी राबड़ी देवी और बेटी हेमा यादव को नौकरी चाहने वालों द्वारा जमीन के बदले नौकरी घोटाले के संबंध में जमीन उपहार में दी गई थी, जिन्हें बाद में रेलवे में नियुक्त किया गया था।

रेलवे कर्मचारी हरिदयानंद चौधरी और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के तत्कालीन ओएसडी भोला यादव को पहले सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। भोला 2004 से 2009 के बीच लालू के ओएसडी थे।

सीबीआई ने तत्कालीन केंद्रीय रेल मंत्री लालू यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, दो बेटियों और 15 अन्य लोगों के खिलाफ अज्ञात लोक सेवकों और निजी व्यक्तियों सहित मामला दर्ज किया।

अधिकारी ने कहा, '2004-2009 के बीच, यादव ने रेलवे के विभिन्न जोन में ग्रुप 'डी' पद पर नियुक्ति के बदले में अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर जमीन-जायदाद के हस्तांतरण के रूप में आर्थिक लाभ प्राप्त किया था।'

पटना के कई निवासियों ने खुद या अपने परिवार के सदस्यों के माध्यम से यादव के परिवार के सदस्यों द्वारा नियंत्रित एक निजी कंपनी को अपनी जमीन बेच दी और उपहार में दे दी।

जोनल रेलवे में ऐसी नियुक्ति के लिए कोई विज्ञापन या कोई सार्वजनिक नोटिस जारी नहीं किया गया था, फिर भी जो पटना के निवासी थे, उन्हें मुंबई, जबलपुर, कोलकाता, जयपुर और हाजीपुर में स्थित विभिन्न क्षेत्रीय रेलवे में स्थानापन्न के रूप में नियुक्त किया गया था।

सीबीआई अधिकारी ने कहा, पटना में स्थित अचल संपत्तियों को यादव और उनके परिवार के सदस्यों ने पांच बिक्री विलेखों और दो उपहार विलेखों के माध्यम से हासिल किया था। इसमें अधिकांश भूमि हस्तांतरण में विक्रेता को नकद भुगतान दिखाया गया था।

डियर साप्ताहिक लॉटरी पूर्व मिदनापुर निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

पूर्व मिदनापुर, पश्चिम बंगाल के श्री राम शंकर पात्र ने **28.01.2023** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नम्बर **42B 97532** है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। ''डियर लॉटरी अनगिनत लोगों को करोड़पति बना कर उनकी उद्धारक बन गई है। जब मुझे डियर लॉटरी से एक करोड़ रुपए जीतने की जानकारी मिली तो मुझे अपने जीवन में बेहद खुशी महसूस हुई। डियर लॉटरी द्वारा करोड़पति बनाने का यह चलन हरेक व्यक्ति को ढेर सारी उम्मीदें प्रदान करता है। मैं अपने रिश्तेदारों तथा मित्रों से डियर लॉटरी खरीद कर अपनी किस्मत आजमाने की सलाह दूंगा।'' विजेता ने कहा।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR GANGA MORNING
MONDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:119 DrawDate on:06/03/23
1st Prize ₹1 Crore/- 79L 23528
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 23528 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
02832 06327 24360 29245 30782 53273 73883 76641 81246 90199
3rd Prize ₹450/-
0049 1049 1423 1685 2186 5090 5390 7496 7932 8841
4th Prize ₹250/-
0152 1144 2906 3317 7316 7357 7545 8174 8438 8503
5th Prize ₹120/-
0054 0113 0300 0403 0487 0847 0934 0983 1080 1116
1278 1311 1321 1416 1937 2082 2176 2333 2402 2561
2749 2770 2798 3069 3131 3133 3200 3426 3496 3568
3626 3736 3804 3814 3893 3909 3960 4112 4198 4207
4285 4356 4655 4702 4765 4904 4933 5017 5038 5055
5149 5285 5440 5492 5577 5631 5643 5676 5794 5860
5976 6139 6511 6664 6854 6862 7179 7208 7271 7425
7455 7517 7658 7775 7802 7847 7857 7952 7993 8031
8279 8299 8506 8571 8602 8644 8666 8707 9069 9103
9198 9215 9280 9322 9334 9351 9439 9440 9545 9892
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR SUN MONDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:119 DrawDate on:06/03/23
1st Prize ₹1 Crore/- 83D 91037
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 91037 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
08133 16670 40604 47173 50046 53269 56453 63128 95076 97055
3rd Prize ₹450/-
0505 1208 1235 2251 3912 4669 5019 5114 5798 5844
4th Prize ₹250/-
0303 1931 3071 3159 6694 7985 8084 8470 9026 9668
5th Prize ₹120/-
0057 0232 0536 0627 0660 0684 0980 1002 1008 1128
1130 1376 1432 1592 1627 1714 1808 1870 1905 1932
2105 2185 2463 2521 2539 2549 2689 2738 2739 2757
2795 2829 2863 3000 3240 3389 3450 3544 3552 3598
3670 3722 3751 3808 3828 3854 4043 4136 4153 4358
4363 4384 4806 4863 4946 4985 5175 5204 5259 5346
5385 5397 5493 5670 5694 5839 6004 6048 6066 6195
6222 6226 6532 6797 7328 7412 7584 7624 7632 7745
7800 7841 8093 8102 8207 8228 8250 8359 8553 8670
9208 9422 9428 9480 9532 9672 9709 9716 9722 9788
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR FLAMINGO EVENING
MONDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:219 DrawDate on:06/03/23
1st Prize ₹1 Crore/- 89A 26084
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 26084 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
11525 20338 31886 42887 46787 56713 63623 69163 87599 95612
3rd Prize ₹450/-
2343 2483 3801 5323 5613 5815 5963 7694 8121 9501
4th Prize ₹250/-
1313 1572 1604 2008 4491 5413 5983 7245 8975 9216
5th Prize ₹120/-
0157 0215 0344 0484 0551 0657 0694 0804 0976 1172
1177 1333 1399 1621 1903 2006 2249 2331 2521 2659
2680 2764 2789 2792 2964 2987 2990 3101 3172 3321
3331 3363 3547 3606 3644 3705 3859 3961 4048 4065
4175 4177 4258 4339 4395 4529 4582 4601 4796 4908
4913 4927 5000 5005 5050 5106 5201 5368 5483 5508
5636 5641 5892 6025 6037 6061 6161 6202 6210 6511
6532 6537 6611 6625 6739 6751 6861 6935 7059 7186
7217 7335 7390 7481 7631 7659 7866 8038 8382 8427
8559 8882 8885 9017 9428 9468 9557 9639 9653 9982
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

विपक्ष की पीड़ा

अभी तक विपक्षी दल केंद्रीय जांच ब्यूरो, प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग जैसी केंद्रीय जांच एजंसियों के दुरुपयोग का जबानी आरोप लगाती रही हैं, मगर अब उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर यह बात कही है। इस पत्र में नौ विपक्षी नेताओं के हस्ताक्षर हैं। उन्होंने इस पत्र में उन नेताओं के नाम भी गिनाए हैं, जिन्हें ये एजंसियां बेवजह परेशान कर रही हैं। उनमें दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का भी नाम है।

इसके अलावा उन लोगों के भी नाम बताए गए हैं, जिन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप थे, मगर जब उन्होंने पाला बदल कर भाजपा का दामन पकड़ लिया तो जांच एजंसियों ने उनकी तरफ से मुंह फेर लिया। हालांकि ये आरोप नए नहीं हैं कि सत्तापक्ष राजनीतिक रंजिश के चलते जांच एजंसियों के जरिए अपने विरोधियों को परेशान करने का प्रयास करता है।

जो भी राजनीतिक दल विपक्ष में होता है, वह बहुत आसानी से यह बात कह देता है। मगर शायद यह पहली बार है, जब नौ विपक्षी दलों ने मिल कर प्रधानमंत्री से इस बात की शिकायत की है। भाजपा ने इसके जवाब में कहा है कि विपक्षी पार्टियां एक-दूसरे को बचाने में लगी हैं। सत्ता में रहते हुए उन्होंने भ्रष्टाचार को जैसे अपना अधिकार समझा।

भाजपा शुरू से दम भरती रही है कि वह किसी भी रूप में भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं कर सकती।

यह भी सही है कि भाजपा के केंद्र में आने के बाद भ्रष्टाचार के मामलों में जितने छापे पड़े हैं, शायद उतने किसी और सरकार के समय नहीं पड़े होंगे। यह अच्छी बात है कि कोई सरकार भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन की दिशा में पहल करे।

मगर इन छापों से निकले नतीजे निराश ही करते हैं। बहुत कम मामलों में लोगों को दोषी पाया गया है।

ज्यादातर मामलों में जांच एजंसियों की लंबी कवायदें बेनतीजा ही साबित हुई हैं। फिर अधिकतर छापे केवल उन्हीं लोगों पर पड़े हैं, जिनका ताल्लुक सत्तापक्ष से नहीं है। ऐसे में यह सवाल बार-बार पूछा जाता रहा है कि क्या वास्तव में सत्तापक्ष में कोई ऐसा नहीं, जिसके खिलाफ अनियमितता की शिकायतें हों।

फिर ऐसे अनेक नेता हैं, जो पहले किसी दूसरी राजनीतिक पार्टी में थे और भ्रष्टाचार के गंभीर मामलों में जांच एजंसियों के सवालों का सामना कर रहे थे, मगर जैसे ही वे भाजपा में आए, उनके खिलाफ चल रही जांचें ठंडे बस्ते में चली गर्इं। इसलिए जांच एजेंसियों पर स्वाभाविक रूप से आरोप लगने शुरू हुए कि वे केंद्र के इशारे पर काम कर रही हैं।

भ्रष्टाचार हमारे देश की तरक्की में बहुत बड़ा रोड़ा है। इसके चलते संवैधानिक तकाजे पूरे नहीं हो पाते। कुछ दिनों पहले सर्वोच्च न्यायालय ने इसे कैंसर की तरह फैला हुआ बताया। निस्संदेह इस प्रवृत्ति पर रोक लगनी चाहिए, तभी संपत्ति के असमान वितरण पर रोक लग सकेगी और स्वस्थ रूप से समाज और अर्थव्यवस्था का विकास हो सकेगा। मगर इस पर रोक लगाने का यह तरीका कतई नहीं हो सकता कि पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया जाए।

इससे जांच एजंसियों के स्वतंत्र रूप से काम करने का अधिकार और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने का मकसद बाधित होता है। विपक्षी दल भ्रष्टाचार रोकने के नाम पर जांच एजंसियों के दुरुपयोग का आरोप तो लगा रही हैं, पर क्या वे सचमुच खुद इस प्रवृत्ति को रोकने को लेकर संजीदा हैं? जहां वे सत्ता में हैं, वे अपने पक्ष के भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कितनी कठोर हैं, इसका भी मूल्यांकन होना चाहिए। भ्रष्टाचार के खिलाफ सामूहिक राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है।

वनों में आग का बढ़ता खतरा

बिवाश रंजन

जीवन के प्रमुख तत्वों में से एक, आग समाज में और मानवता के समग्र अस्तित्व के लिए एक अभिन्न भूमिका निभाती है। आग वन पर्यावरण का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह स्वस्थ वनों को संरक्षित करने, पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण, पुनर्विकास की प्रक्रिया में वृक्ष की प्रजातियों की मदद करने, विदेशी एवं आक्रामक प्रजातियों को हटाने और लंबे समय तक प्राकृतिक वास बनाए रखने में अहम रही है। हालांकि, हाल के वर्षों में वनों में लगने वाली आग की तीव्रता, आवृत्ति और प्रसार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हर साल, वनों के बड़े भूभाग अलग-अलग तीव्रता एवं पैमाने वाली आग से प्रभावित होते हैं। वनों में लगने वाली आग अब वनों के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक प्रमुख खतरा बन गई है।

पिछले एक दशक के दौरान भारत में एवं विश्व स्तर पर बड़े पैमाने की और अनियंत्रित आग की घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। आग की इन घटनाओं ने कई जानें ली हैं, जंगलों एवं जैव विविधता को खासी क्षति पहुंचायी है, जिससे जी-20 के कई देशों में संपत्ति का व्यापक नुकसान हुआ है और बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हुए हैं। वनों में लगने वाली आग भी वनों के नुकसान का एक प्रमुख कारण है। वर्ष 2001 से 2021 के बीच, वनों की आग के कारण वैश्विक स्तर पर होने वाली वनों की कुल हानि का लगभग एक तिहाई यानी 118 मिलियन हेक्टेयर से अधिक वन क्षेत्र1 का नुकसान हुआ।

अप्रैल 2020 में, 2019 की तुलना में दुनिया भर में आग की चेतावनियों की संख्या में 13 फीसदी की वृद्धि हुई, जोकि आग लगने की घटनाओं की दृष्टि से एक रिकॉर्ड वर्ष2 रहा। अलग-अलग स्तर पर, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और ब्राजील जैसे देश हाल ही में आग की कई बड़ी घटनाओं के गवाह बने3। वास्तव में, अकेले भारत ने पिछले दो दशकों में वनों में लगने वाली आग की घटनाओं में 10 गुना वृद्धि देखी है4। जहां कुल वनाच्छादन में 1.12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, वहीं वनों में लगने वाली आग की घटनाओं की आवृत्ति में 52 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अनुमान है कि देश के 36 प्रतिशत से अधिक वनाच्छादन में बार-बार लगने वाली आग और राज्यों के 62 प्रतिशत से अधिक वनाच्छादन में उच्च तीव्रता वाली आग का खतरा रहता है।

दुनिया के अन्य हिस्सों की तरह, भारत में भी वनों में लगने वाली आग मुख्य रूप से मानवीय गतिविधियों के कारण होती है। जनसंख्या का दबाव, भूमि प्रबंधन की वर्तमान एवं ऐतिहासिक प्रणालियां, एक उपकरण के तौर पर आग का उपयोग, वन संसाधनों की मांग, लापरवाही और मानवजनित जलवायु परिवर्तन कुछ ऐसे कारक हैं, जिन्होंने वर्तमान वन व्यवस्था की रूपरेखा को ठोस तरीके से प्रभावित किया है।

आग मिट्टी के भौतिक एवं रासायनिक, दोनों गुणों को प्रभावित करती है। विशेष रूप से मिट्टी की उत्पादक परत को। भौतिक गुणों में परिवर्तन से जहां उत्पादक मिट्टी का नुकसान होता है, अपवाह में वृद्धि होती है तथा भूमिगत जल पुनर्भरण कम होता है, वहीं रासायनिक गुणों में परिवर्तन मिट्टी के कार्बनिक पदार्थ और पोषक तत्वों के समीकरण को प्रभावित करता है। बार-बार लगने वाली आग बीज स्रोतों को कम करती है, अंतत: वनो के पारिस्थितिकी तंत्र के पुनर्जनन और सिलसिले को प्रभावित करती है। उत्तर-पूर्वी भारत में, आग से जुड़े झूम चक्रों के जल्दी-जल्दी होने से भी मिट्टी की उर्वरता पर हानिकारक प्रभाव पड़ा है। जलवायु परिवर्तन और भूमि के उपयोग में बदलाव से आग की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि होने का पूर्वानुमान लगाया गया है। वर्ष 2030 तक वैश्विक स्तर पर प्रचंड आग की घटनाओं में 14 प्रतिशत तक, 2050 के अंत तक 30 प्रतिशत और इस सदी के अंत में 50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो जाएगी7। बायोमास में कार्बन सहित मूल्यवान वन संसाधन हर साल वनों में लगने वाली आग के कारण नष्ट हो जाते हैं, जिससे वनों से मिलने वाली वस्तुओं एवं सेवाओं का प्रवाह प्रभावित होता है।

वनों में लगने वाली आग पेड़ों, इकोसिस्टम एवं खाद्य आपूर्ति को नष्ट करके और शिकार के लिए जीवित जानवरों की संवेदनशीलता को बढ़ाकर जैव विविधता पर विनाशकारी प्रभाव डाल सकती है। इसके अतिरिक्त, वे उन समुदायों की आर्थिक स्थिति को भी सीधे प्रभावित कर सकती हैं जो आय के स्रोत के रूप में वनों और गैर-इमारती वन उत्पादों पर निर्भर हैं। सेवाओं एवं उपयोगों की एक व्यापक श्रृंखला के लिए छोटे धारकों की वनों पर अधिक निर्भरता को देखते हुए, वनों में लगने वाली आग से जुड़े आर्थिक नुकसान बड़े धारकों की तुलना में छोटे धारकों के लिए बहुत अधिक भारी हो सकते हैं। भारत में वनों की आग से होने वाले नुकसान की संभावित लागत प्रति वर्ष 1,101 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है8।

यह तर्क दिया जा सकता है कि वनों में लगने वाली आग के इकोसिस्टम पर नकारात्मक और सकारात्मक, दोनों ही तरह के प्रभाव हो सकते हैं। ऐतिहासिक रूप से, आग ने वनस्पतियों और जीवों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आग वनों को स्वस्थ रखने, पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण, वृक्ष प्रजातियों के पुनर्जनन में सहायता, आक्रामक खरपतवारों और रोगजनकों को हटाने तथा प्राकृतिक वासों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कभी-कभार लगने वाली आग ईंधन के उस भंडार को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है जो बड़े और अधिक विनाशकारी वनों की आग को भड़का सकती है। हालांकि, आग की घटनाएं बढ़ती जनसंख्या वृद्धि और वन संसाधनों की परिणामी मांगों के साथ नियंत्रण से बाहर होकर उस बिंदु पर पहुंच गई हैं, जहां आग अब वनों की सेहत को नहीं बनाए रखती है। वास्तव में, आग बड़े भू-भाग को जला रही है और जलवायु के गर्म होने के कारण आग का मौसम लंबा होता जा रहा है।

जिस तरह सभी देश तेजी से वनों की आग और अन्य जलवायु संबंधी खतरों से निपटने के लिए सामाजिक-आर्थिक दृढ़ता को और बेहतर करने की दिशा में काम कर रहे हैं, वैसे ही वनों में लगने वाली आग से प्रभावित भूमि का पुनरुद्धार करने की भी जरूरत है। आग लगने से पहले उसके जोखिम को कम करने और उसके बाद बेहतर तरीके से उबरने की दृष्टि से इकोसिस्टम की पुनर्बहाली एक महत्वपूर्ण तरीका है। इसलिए, वनों की पारिस्थितिक अखंडता को बनाए रखने और प्रभावित वन परिदृश्यों की स्थिरता के लिए आग की घटना के बाद वनों की पुनर्बहाली अनिवार्य है।

भारत की अध्यक्षता से संबंधित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महत्वाकांक्षी, समावेशी, निर्णायक और कार्रवाई-उन्मुख दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, पर्यावरण जलवायु स्थिरता कार्य समूह (ईसीएसडब्ल्यूजी) जी-20 के देशों में वनों की आग से प्रभावित क्षेत्रों में सार्थक कार्रवाई करने और इकोसिस्टम की बहाली में तेजी लाने के उद्देश्य से वनों में लगने वाली आग से जुड़े चर्चित मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करेगा और उनका समाधान करेगा। वनों में लगने वाली आग की घटनाओं में तेज और खतरनाक वृद्धि की वैश्विक प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, भारत की अध्यक्षता एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य के सिद्धांत में निहित जी-20 के देशों के बीच ज्ञान एवं सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय कार्यप्रणालियों के सक्रिय साझाकरण और सहयोग को प्रोत्साहित करेगी।

निष्पक्ष हों संवैधानिक संस्थाएं

विनीत नारायण

भारत निर्वाचन आयोग में चुनाव आयुक्तों और मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर सर्वोच्च अदालत की 5 सदस्यीय संवैधानिक बेंच ने पिछले गुरुवार को ऐतिहासिक फैसला सुनाया।

फैसले के बाद भारत निर्वाचन आयोग में आयुक्तों की नियुक्ति पर केंद्र का सीधा हस्तक्षेप घटेगा। कोर्ट ने फैसला सुनाते समय इस बात पर जोर डाला कि संविधानिक संस्थाओं का निष्पक्ष होना लोकतंत्र के लिए बहुत आवश्यक है। सभी राजनैतिक दलों ने फैसले का स्वागत किया जा रहा है। शीर्ष अदालत के 378 पन्नों के इस ऐतिहासिक फैसले के पीछे 1997 का विनीत नारायण बनाम भारत सरकार का फैसला है।

इस फैसले में प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई और सीवीसी के निदेशकों की नियुक्ति और उनके कार्यकाल को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए थे, जिससे जांच एजेंसियों को सरकारी दखल से अलग रख कर निष्पक्ष और स्वायत्त रूप से कार्य करने की छूट दी गई थी परंतु सवाल उठता है कि क्या जांच एजेंसियां सरकार के दबाव से मुक्त हुई? ऐसा क्या हुआ कि उसी शीर्ष अदालत ने सीबीआई को पिंजरे का तोता कहा? दरअसल, पिछले कुछ वर्षों से चुनाव आयोग की कार्यशैली को लेकर विपक्षी दलों में ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र में आस्था रखने वाले हर जागरूक नागरिक के मन में भी अनेक प्रश्न खड़े हो रहे थे। सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयुक्त अरुण गोयल की नियुक्ति की फाइल मांग कर भारत सरकार की स्थिति को असहज कर दिया था पर इसका सकारात्मक संदेश देश में गया। सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग की विवादास्पद भूमिका पर टिप्पणी करते हुए 1990-96 में भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त रहे टीएन शेषन को याद किया और कहा है, देश को टीएन शेषन जैसे व्यक्ति की जरूरत है।

सर्वोच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी 2018 से लंबित कई जनहित याचिकाओं की संवैधानिक पीठ के सामने चल रही सुनवाई के दौरान की जिनमें मांग की गई है कि चुनाव आयोग के सदस्यों का चयन भी कॉलेजियम प्रक्रिया से होना चाहिए। बहस के दौरान पीठ के अध्यक्ष न्यायमूर्ति जोसेफ ने कहा कि यह चयन सर्वोच्च न्यायालय के विनीत नारायण बनाम भारत सरकार फैसले के अनुरूप भी क्यों नहीं हो सकता है? जिसके अनुसार चयन समिति में तीन सदस्य हों-भारत के प्रधान न्यायाधीश, प्रधानमंत्री और लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष।

यह मांग सर्वथा उचित है क्योंकि चुनाव आयोग का वास्ता देश के सभी राजनैतिक दलों से पड़ता है। उसके सदस्यों का चयन केवल सरकार करती है तो जाहिरन ऐसे अधिकारियों को चुनेगी जो उसके इशारे पर चले। इस फैसले के आधार पर जब तक संसद द्वारा कानून पास नहीं हो जाता तब तक इसी फैसले के दिशा-निर्देशों के अनुसार चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियां होंगी। पिछले कुछ वर्षों से सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करते हुए जिस तरह मुख्य जांच एजेंसियों के निदेशकों की नियुक्ति और सेवा विस्तार किए जा रहे हैं, उससे इन एजेंसियों की स्वायत्तता और निष्पक्षता पर स्वाल उठ रहे हैं।

यदि किसी जांच एजेंसी के निदेशक को इस बात का पता है कि शीर्ष अदालत के आदेश के तहत उसकी नियुक्ति पारदर्शिता से हुई है तो उसे उसके दो साल के निश्चित कार्यकाल से कोई नहीं हटा सकता, परंतु यदि उसके नियुक्ति पत्र में कुछ ऐसा लिखा जाए कि उस निदेशक का कार्यकाल एक निश्चित अवधि या अगले आदेश तक वैध है, तो उस पर अप्रत्यक्ष रूप से सरकारी दबाव बना रहता है। ऐसे में वो निदेशक कितना स्वायत्त या निष्पक्ष रहेगा कहा नहीं जा सकता। भाजपा के वरिष्ठ नेता अरुण जेटली ने राज्य सभा में कहा था, यह खतरा बड़ा है, रिटायर होने के बाद सरकारी पद पाने की इच्छा रिटायर होने से पहले के जज के फैसलों को प्रभावित करती है, यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए खतरा है। एक अन्य बयान में जेटली ने कहा था, रिटायर होने से पहले दिए जाने वाले फैसले रिटायर होने के बाद मिलने वाले पद के प्रभाव में दिए जाते हैं। जेटली का बयान न सिर्फ जजों पर लागू होता है, बल्कि जांच एजेंसियों और कुछ संविधानिक पदों पर नियुक्त लोगों पर भी लागू होता है।

ऐसे में इस ऐतिहासिक फैसले का स्वागत किया जाना चाहिए, परंतु सरकार जिस भी दल की हो वो ऐसी नियुक्तियों के लिए भेजे जाने वाले नामों के पैनल में केवल अपने चहेते अधिकारियों के ही नाम भेजती है।

ऐसे में नियुक्त करने वाली समिति के पास इन्हीं नामों में से एक का चयन करने का विकल्प रहता है। यदि महत्त्वपूर्ण पदों पर नियुक्त होने वाले व्यक्तियों की सूची को सार्वजनिक किया जाए और बेदाग छवि वाले सेवानिवृत्त अधिकारियों की राय भी ली जाए तो ऐसी नियुक्तियों को निष्पक्ष माना जा सकता है। इस दिशा में व्यापक दिशा-निर्देशों की भी आवश्यकता है। ऐसा होता है तो जनता का विास न सिर्फ नियुक्ति की पण्राली में बढ़ेगा, बल्कि इन संस्थाओं की कार्यशैली में भी बढ़ेगा। जांच एजेंसियां हों या चुनाव आयोग या कोई अन्य सांविधानिक संस्था यदि वो निष्पक्ष और स्वायत्त रहती है तो लोकतंत्र मजबूत रहता है। यदि ऐसा नहीं होता तो लोकतंत्र खतरे में आ सकता है। इसलिए सर्वोच्च अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए इसे कानून का रूप दिया जाना चाहिए और साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि सभी नियुक्तियों को पारदर्शिता से किया जाए न कि पक्षपात के साथ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने हर चुनाव अभियान में इस बात पर जोर देते हैं कि सभी विपक्षी दल भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हैं जबकि भाजपा ईमानदार सरकार देने का वायदा करती है। पिछले हफ्ते कर्नाटक के भाजपा विधायक के बेटे को किसी ठेकेदार से 40 लाख की रिश्वत लेते लोकायुक्त ने गिरफ्तार करवाया। उसके घर से 8 करोड़ रुपये भी बरामद हुए। इसी राज्य में पिछले वर्ष एक ठेकेदार ने सार्वजनिक रूप से आरोप लगाया था कि भाजपा सरकार का मंत्री उससे 40 प्रतिशत कमीशन मांग रहा है। कर्नाटक का तो यह एक उदाहरण है पर क्या जनता कह सकती है कि उनके राज्य में भाजपा के सत्ता के आने बाद भ्रष्टाचार खत्म हो गया या कम हो गया? तो क्या वजह है कि पिछले वर्षों में सीबीआई और ईडी के छापे केवल विपक्षी दलों के नेताओं पर ही पड़े हैं? इस विवाद से बचने को जरूरी है कि मोदी जी जांच एजेंसियों और संविधानिक संस्थाओं की पारदर्शिता और स्वायत्तता सुनिश्चित करें।

खौफनाक होता मौसम का मिजाज

सिद्धायनी जैन

विसंगति यह है कि लोग कृत्रिम सुविधाओं को ही वास्तविक सुख समझ बैठे हैं। इस बढ़ते तापमान के कारण पिछले कुछ सालों में एशिया महाद्वीप में लू के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ी है। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि नई पीढ़ी जीवन को संरक्षित करने के परंपरागत तरीकों को नहीं अपनाना चाहती।

मौसम विभाग को आशंका है कि मार्च में ही गर्म हवाएं चलने लगेंगी और इस साल गर्मी सारे कीर्तिमान तोड़ देगी। इस आशंका के मूल में गर्मी के वे आंकड़े हैं, जो फरवरी माह में दर्ज किए गए। अनेक शहरों में इस बार बसंत के दिन गर्म थे। पश्चिम और मध्य भारत के कई शहर फरवरी में पिछले पचास सालों में सबसे अधिक गर्म रहे।

मौसम विभाग की आशंका को देखते हुए भारत सरकार ने राज्यों को गर्मी की वजह से पैदा होने वाली बीमारियों से निपटने के लिए चेतावनी भी जारी की है। यह तैयारी पिछले दिनों एक अंतरराष्ट्रीय संगठन द्वारा जारी की गई उस चेतावनी की याद दिलाती है कि सन 2030 तक दुनिया के कई देशों में पारा इतना चढ़ जाएगा कि मनुष्य के लिए उसे बर्दाश्त करना मुश्किल हो जाएगा।

यह चेतावनी निराधार नहीं है। पिछले वर्ष यूरोप के कई देशों ने बढ़ती गर्मी का कहर भुगता था। ब्रिटेन में लंदन ब्रिज के ढांचे को इसलिए तापरोधी चादर से ढंकना पड़ा था कि कहीं वह गर्मी से पिघल न जाए। फ्रांस में गर्मी के कारण रेल सेवाओं को रोकना पड़ा था। अनेक यूरोपीय शहरों में पहले तो गर्मी को देखते हुए नागरिकों को सलाह दी गई कि वे जरूरी होने पर ही घर से निकलें। अमेरिका से लेकर ब्राजील तक जंगलों के सुलगने की घटनाओं ने भी लंबे समय तक आबादी के एक बड़े हिस्से को परेशान किए रखा।

वातावरण में गर्मी बढ़ रही है, क्योंकि हम पर्यावरण के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। अध्ययन कर्ताओं का मानना है कि 1850 से 1900 के दौर में हमारी जीवन-शैली में ऐसी बहुत-सी आदतें शामिल हो गर्इं, जो धीरे-धीरे संपूर्ण पर्यावरण के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई हैं। पृथ्वी की सतह पर तापमान में बढ़ोतरी भी तभी से प्रारंभ हुई।

खासकर औद्योगीकरण की दौड़ और प्राकृतिक संसाधनों का अधिकाधिक दोहन करने की नीयत ने तो हालात लगातार बेकाबू किए हैं। जीवाश्म र्इंधन का उपयोग, जंगलों का कटना और विकास के नाम पर जहरीली गैसों के उत्सर्जन ने ऐसे हालात कर दिए हैं कि पिछले लंबे समय से ओजोन परत के लगातार कमजोर होने की खबरें सामने आ रही हैं और हम फिर भी उन कारकों के उपयोग से बच नहीं रहे हैं, जिनके कारण उत्सर्जित गैंसें ओजोन परत का क्षरण बढ़ा रही हैं।

जंगलों के काटे जाने से न केवल ग्रीन हाउस प्रभाव, बल्कि पृथ्वी का तापमान भी बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन का अध्ययन करने के लिए बनाए गए एक अंतरराष्ट्रीय समूह ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि दुनिया का तापमान बढ़ाने के लिए जिम्मेदार गैसों में से एक- कार्बन डाईआक्साइड के तीस प्रतिशत उत्सर्जन का जिम्मेदार जंगलों का काटा जाना है।

बड़ी संख्या में जंगलों के काटे जाने से आक्सीजन उत्पादन का एक बड़ा स्रोत समाप्त हो गया है। उधर, कल-कारखानों से लेकर सड़क पर वाहनों की बढ़ती संख्या ने शहरी इलाकों में कार्बन उत्सर्जन इस हद तक पहुंचा दिया है कि दुनिया के तमाम देश अपने यहां कार्बन उत्सर्जन की मात्रा न्यूनतम स्वीकार्य दर से कम करने पर विचार करने को विवश हैं।

पिछले कुछ वर्षों से कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण को लेकर नीतियां बनाने के लिए लगातार वैश्विक सम्मेलन हो रहे हैं। दुनिया के तमाम बड़े देश इस बात पर सहमत हैं कि 2030 तक कार्बन उत्सर्जन की न्यूनतम दर हासिल की जानी चाहिए, मगर यह कैसे होगा, इस मुद्दे पर अलग-अलग क्षेत्रों के स्वार्थ अपेक्षित परिणाम नहीं आने दे रहे।

विकसित देश गरीब देशों को वादा किया गया धन उपलब्ध कराने में हिचक रहे हैं, तो विकासशील देश और अविकसित देश यह कह कर वांछित नीतियों से पीछे हट रहे हैं कि पर्यावरण संतुलन को विकसित देशों ने अपनी विभिन्न योजनाओं के जरिए बिगाड़ा है। अब अगर उन्हें उचित मुआवजा नहीं मिलता, तो वे किसी और के विकास की कीमत क्यों चुकाएं?

पेड़ों के काटे जाने के अलावा, अवैज्ञानिक नगर नियोजन, बढ़ती जनसंख्या, डामर की सड़कों की बढ़ती संख्या, कंख्रयूटर, एअर कंडीशनर और फ्रिज जैसे संयंत्रों का बढ़ता उपयोग भी हमारे परिवेश का पारा चढ़ाने के कारक हैं। कहा जा रहा है कि शहरों में बढ़ते निर्माण के कारण हवा की गति में कमी आई है और वह अपेक्षित शीतल प्रभाव नहीं उत्पन्न कर पाती। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार शहरों में बढ़ता भवनों का जंगल किस तरह तापमान बढ़ाने में मदद कर रहा है, इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है। मुंबई और पुणे के बीच अब बहुत घनी बसावट हो गई है।

पहले समुद्री हवाएं बिना रोक-टोक के मुंबई से पुणे पहुंच जाया करती थीं और लोगों को गर्मी में भी पंखे की आवश्यकता नहीं महसूस होती थी। मगर अब ऐसा नहीं है, क्योंकि ऊंची-ऊंची इमारतों ने समुद्री हवाओं को रोकना शुरू कर दिया है। राजस्थान, हरियाणा, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, दिल्ली जैसे राज्यों में लोग गर्मी की छुट्टियों में अपनी छतों पर आराम से सो जाया करते थे। मगर अब गर्मी में छतों पर सोना मुहाल होता जा रहा है।

बदलती जीवन-शैली के चलते पिछले दो दशकों में पृथ्वी का तापमान अप्रत्याशित रूप से बढ़ा है। विसंगति यह है कि लोग कृत्रिम सुविधाओं को ही वास्तविक सुख समझ बैठे हैं। इस बढ़ते तापमान के कारण पिछले कुछ सालों में एशिया महाद्वीप में लू के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ी है। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि नई पीढ़ी जीवन को संरक्षित करने के परंपरागत तरीकों को नहीं अपनाना चाहती।

मसलन, भारत में ही जब लोग पहले गर्मी में निकलते थे, तो अपने सिर को ढंक कर रखते थे, पानी पिए बिना और भूखे पेट घर से नहीं निकलते थे और लू से बचने के उपाय करते थे। मगर नई पीढ़ी के लिए ये सब सिर्फ दिल को समझाने की बातें हैं। ऐसे में इस पीढ़ी के लिए गर्मी के दिन अधिक खौफनाक होने लगे हैं।

चिंता की एक बात यह भी है कि अगर गर्मी इसी तरह बढ़ती रही तो यह कृषि पर भी प्रतिकूल असर डालेगी और इस कारण खाद्यान्न उत्पादन में गिरावट आएगी। पिछले दो सालों में गेहूं की पैदावार पर इसका बुरा प्रभाव देखा गया है। यह स्थिति आबादी के एक बड़े हिस्से को भुखमरी की ओर ले जा सकती है।

पत्तियों से सौंदर्य

प्रकृति ने पत्तियों में बहुत सारे गुण प्रदान किये हैं जो सेहत और सौं दर्य के लिए वरदान से कम नहीं। कुछ उदाहरण :-

-नीम की कच्ची कोपलों को पीस कर पेस्ट की तरह चेहरे पर लगाने मुंहासे कम होते हैं। यह स्किन के लिए अच्छे फेसवॉश का भी काम करता है। खासकर तैलीय त्वचा के लिए यह बेहतरीन क्लींजर है।

-नींबू की कोमल पत्तियों का पेस्ट बनाकर उसमें कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलायें। चेहरे पर फेसपैक को कुछ देर लगाकर रखें। इससे रंग में निखार आता है और ताजगी का अहसास होता है।

-तुलसी की पत्तियों को सुखाकर बारीक पाउडर बना लें। इसे टेल्कम पाउडर की तरह स्किन पर रगड़ने से चेहरे के दागध ब्बे कम हो जाते हैं।

-आंखों में ताजगी लाने और डार्क सर्कल्स को दूर करने के लिए पुदीने की पत्तियां पीस कर लगानी चाहिए। ताजा हरा पुदीना पीसकर चेहरे पर लगाने से चेहरे की गर्मी निकल जाती है।

-मेथी की पत्तियों का पेस्ट बनाकर उसमें आंवले का रस मिलायें। बालों में अच्छी तरह लगायें और कुछ समय बाद धो डालें। इससे बालों में चमक आती है।

-तुलसी की पत्तियों का रस निकालकर उसमें कुछ बूंदें नींबू के रस की डालें। चेहरे पर लगाकर सूखने दें। साफ पानी से धो डालें। इससे ब्लैक स्पॉट मिटते हैं और त्वचा निखरी-निखरी नजर आती है।

-नीम की पत्तियों का पेस्ट बनाकर बालों की जड़ों में अच्छे से लगाने से रूसी दूर हो जाती है। इससे सिर में होने वाले दूसरे इंफेक्शन और जुओं से भी छुटकारा मिलता है।

-मेहंदी की हरी या सूखी पत्तियों का पेस्ट बालों के लिए बेहतरीन कंडीशनर का काम करता है।

-मीठे नीम की पत्तियों के रस को छाछ के साथ मिलाकर पीने से बालों को असमय सफेद होना बंद हो जाता है।

पत्तियों से स्वास्थ्य

-तुलसी की कुछ पत्तियां मुंह में रखकर धीरे-धीरे चबाने से दुर्गंध नहीं आती, दांत के दर्द में आराम मिलता है और रक्त भी शुद्ध होता है।

-मधुमेह के रोगियों के लिए पालक की हरी पत्तियों का सेवन बहुत ही लाभकारी होता है।

-अमरूद के पत्तों को पान की तरह कत्था लगाकर चबाने से मुंह के छाले ठीक हो जाते हैं।

-पुदीने की कुछ पत्तियां सुबह शाम चबाने से दांतों के कीड़े खत्म हो जाते हैं और मुंह में ताजगी बनी रहती है।

-आम की कच्ची कोपलों को दांतों से खूब चबाकर थूक दें। दांत मजबूत और चमकदार बन जायेंगे।

-ब्राह्मी की पत्तियों का थोड़ा-सा ताजा रस (एक चम्मच) लेने से सर्दी-खांसी और उल्टी-दस्त बंद हो जाते हैं।

-नीम की पत्तियों के पेस्ट में थोड़ी-सी हल्दी मिलाकर लगाने से फुंसियां ठीक हो जाती हैं।

-हैजा, पेटदर्द, अजीर्ण, हिचकी बंद न होना, चर्मरोग और ब्लडप्रेशर कंट्रोल जैसी कई स्वास्थ्य समस्याओं के लिए पुदीना की पत्तियां कारगर दवा है। पुदीना एंटीबायोटिक औषधि का भी काम करती है।

-मेहंदी की पत्तियों का पेस्ट पैरों के तलवों में लगाने से जलन कम होती है, ठंडक और सुकून का अहसास होता है।

-पालक की पत्तियों में मौजूद फ्लेजेवोनॉइडस एंटीऑक्सीडेंट्स का काम करते हैं। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। पालक में विटामिन ए काफी मात्रा में पाया जाता है जो आंखों, बालों और त्वचा के लिए कफी फायदेमंद होता है।

-बथुए की पत्तियों को उबालकर उनका रस पीने से पेट और पेशाब के रोग ठीक होते हैं।

-पीपल की ताजी हरी पत्तियों का रस कान में टपकाने से कान का दर्द दूर होता है।

-कढ़ी पत्ता (मीठा नीम) के कुछ पत्तियों के रस को नींबू के रस और शक्कर के साथ मिलाकर पीने से अपच, उल्टी और थकान मे आराम मिलता है।

-हरे धनिये की पत्तियां वातनाशक और पाचनशक्ति को

बढ़ाने वाली होती हैं। इसकी पत्तियों को पानी भिगोकर मसलकर पानी को छान लें।

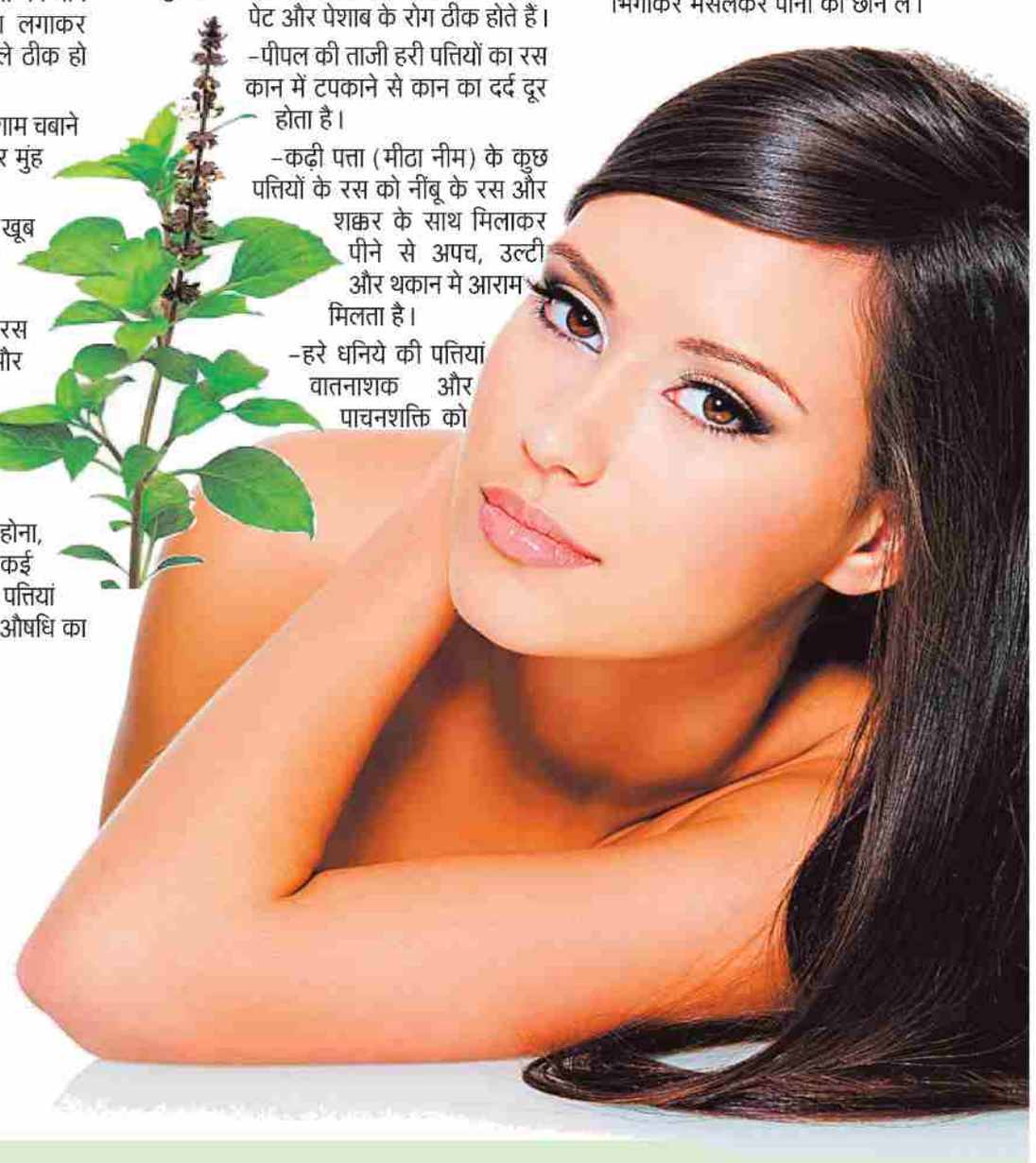

ब्यूटी टिप्स

होली के रंग निकाले, रूप निखार

युवाओं को होली के रंग-बिरंगे पर्व का खास इंतजार रहता है। क्यों न हो! होली का त्योहार ही कुछ ऐसा है। पर होली के लाल-पीले रंगों से सबसे ज्यादा डर लड़कियों को लगता है कहीं कलर्स से उनकी त्वचा को नुकसान न पहुंचे।

बस इसीलिए कभी-कभी मन में उमंग होते हुए भी इस उत्सव का पूरी तरह आनंद नहीं उठाया जाता। होली के रंग कहीं त्वचा व रंग को बर्बाद न कर दे, यही आशंका बनी रहती है। लेकिन घबराइए नहीं, हमारे पास हैं रंगों को छुड़ाने के कुछ आसान से नुस्खे, जो आपके घर में ही उपलब्ध हैं। बस इन्हें इस्तेमाल कीजिए और रंगों को आसानी से छुड़ा लीजिए। तो फिर तैयार हैं न आप होली खेलने के लिए...!

* बेसन में नींबू व दूध मिलाकर उसका पेस्ट बनाकर अपनी स्कीन पर लगाएं। पंद्रह-बीस मिनट तक पेस्ट लगा रहने दें और फिर गुनगुने पानी से मुंह-हाथ धो लें।

* खीरे का रस निकालकर उसमें थोड़ा सा गुलाब जल और एक चम्मच सिरका मिला लें। और इसका पेस्ट तैयार कर इससे मुंह धोएं। आपके चेहरे पर लगे सारे रंग के दाग-धब्बे दूर हो जाएंगे और त्वचा खिली-खिली हो जाएगी।

* मूली का रस निकालकर उसमें दूध व बेसन या मैदा मिलाकर पेस्ट बनाएं और उसे चेहरे पर लगाने से भी चेहरा साफ हो जाता है।

* अगर आपकी त्वचा पर ज्यादा गहरा रंग लग गया हो तो दो चम्मच जिंक ऑक्साइड और दो चम्मच कैस्टर ऑइल मिलाकर लेप बनाकर इसे चेहरे पर लगाएं। अब स्पंज से हल्के हाथों से रगड़कर चेहरा धो लें। और फिर बीस-पच्चीस मिनट बाद साबुन लगाकर चेहरा धोएँ। आपकी त्वचा पर लगा रंग उतर जाएगा।

* जौ का आटा व बादाम का तेल मिक्स कर लें। उसको त्वचा पर लगाकर रंग को साफ करें।

* दूध में थोड़ा सा कच्चा पपीता पीसकर मिलाएं। साथ ही थोड़ी सी मुलतानी मिट्टी व थोड़ा सा बादाम का तेल मिक्स करें और करीब आधे घंटे बाद चेहरा धो डालें।

* संतरे के छिलके व मसूर की दाल व बादाम को दूध में पीसकर पेस्ट बनाएं इस तैयार उबटन को पूरी त्वचा पर मसलें और धो लें। आपकी त्वचा साफ होकर उसमें निखार आएगा।

कहीं नुकसान न पहुंचा दे होली के रंग

अब रंगों के त्योहार होली का बड़ी ही उत्सुकता से इंतजार किया जा रहा है। होली से जुड़ा है रंग, गुलाल व अबीर। लेकिन रंग खेलते हुए अगर थोड़ी सी लापरवाही हो जाए तो आपकी आंखों और त्वचा को काफी नुकसान हो सकता है। कैसे खेलें होली, क्या बरतें सावधानी,

होली के समय में हमारी आंखों को सबसे अधिक नुकसान पहुंच सकता है, क्योंकि होली में इस्तेमाल किए जाने वाले रंग आंखों में जलन, संक्रमण पैदा कर सकते हैं या फिर आंखों को चोटिल कर सकते हैं। होली के बाद अस्पतालों में सामान्य तौर पर त्वचा व आंखों के मरीजों की आवाजाही बढ़ जाती है। इसलिए सावधानी जरूर बरतनी चाहिए।

आंखों में जलन की समस्या

कुछ रंगों के आंखों के साथ संपर्क में आने से आंखों में जलन होने लगती है और आंखें लाल हो जाती हैं। अगर यह समस्या दो चार दिनों में ठीक न हो तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी हो जाता है। आंखों में किसी प्रकार की समस्या होने पर यह देखना चाहिए कि आपकी दृष्टि की स्पष्टता में तो कोई कमी नहीं आई है? यदि हां तो तुरंत डॉक्टर से मिलें।

ये सावधानियां हैं जरूरी

अपनी आंखों को बचाकर रखें। कोई आप के पास रंग लगाने आए तो अपनी आंखों को बंद करके पहले बचाने का प्रयास करें।

आंखों में चश्मा पहनें, जिससे खतरनाक रंगों के रसायन से आपकी आंखें बच सकें।

बालों पर कोई बड़ी-सी टोपी या हैट लगाएं, जिससे आपके बालों का केमिकल डाई के दुष्प्रभाव से बचाव हो सके।

नहाते समय और रंगों को निकालते समय आंखों को अच्छी तरह से बंद कर लें ताकि पानी के साथ बहता हुआ रंग आप की आंखों में प्रवेश न कर सके।

घर पर खुद ही रंग बनाएं और उन्हीं का इस्तेमाल करें। बाहर के खरीदे हुए हानिकारक रंगों को इस्तेमाल न ही करें तो ही अच्छा है।

बच्चों को गुब्बारों से खेलने के लिए उत्साहित न करें, क्योंकि गुब्बारे कभी भी किसी की आंखों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

अपने रंग लगे हाथों को आंखों के पास न ले जाएं। हाथ धोने के बाद ही आंखों को छुएं। आंखों को मसलने या रगड़ने की गलती भी न करें।

ऐसे लोगों से बचने का प्रयास करें, जो हाथों से आपके चेहरे पर रंग लगाने आएं। यदि कोई रंग लगाने आए तो आप आंखों और होंठों को बंद कर लें ताकि रंग आपके मुंह या आंखों में न जा पाए।

होली खेलने से पहले चेहरे पर कोल्ड क्रीम की एक मोटी परत लगाएं ताकि रंग लगने के बाद जब आप अपना चेहरा धोएं तो रंग आसानी से निकल जाए।

यदि आंखों में कोई रंग चला जाए तो तुरंत पानी के छीटे मारें। यदि लक्षण कुछ भीषण प्रतीत हो रहा हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

होली के बाद आपको आंखों में हल्की असहजता महसूस हो रही हो तो रुई के फाहे पर गुलाब जल छिड़क कर आंखों पर थोड़ी देर के लिए रखें। इससे आपकी थकी हुई आंखों को आराम मिलेगा।

यदि आंखों में रंग चला जाए और आंखों में जलन, सूजन या दर्द हो तो साफ पानी से आंखें धोएं। थोड़ी देर देखें, अगर तब भी लक्षण ऐसे ही रहें तो डॉक्टर के पास जाएं।

यदि आंख में गुब्बारे या रंग में मिले हुए किसी कण से चोट लग गई हो, रेटिना को नुकसान पहुंचा हो, रक्तस्रव हो, तो आंखों को पानी से धोने की गलती न करें। ऐसे में आंखें बंद करें और तुरंत अस्पताल जाएं।

आंखों को चोट न लगे

गुलाल में ऐसे छोटे-छोटे कण मौजूद होते हैं, जो यदि आंखों में चले जाएं तो कॉर्निया को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कॉर्नियल एब्रेशन ऐसी ही एक एमरजेंसी होती है, जहां आंखों से निरंतर पानी गिरता रहता है और दर्द भी बना रहता है। यदि ध्यान न दिया जाए तो आंखों में संक्रमण या अल्सर हो सकता है। होली पर गुब्बारों के इस्तेमाल से आंखों में अंदरूनी रक्तस्रव हो सकता है या किसी प्रकार की भी चोट लग सकती है। इसलिए ऐसे हालातों में किसी बात का इंतजार न करें। आंखों को किसी प्रकार का खतरा हो, उससे पहले आप किसी अच्छे नेत्र रोग विशेषज्ञ से अवश्य ही संपर्क करें।

गाजियाबाद में पूर्व किरायेदार ने मकान मालकिन को क्रिकेट बैट से पीटा, घटना CCTV कैमरे में हुई कैद

गाजियाबाद। इंदिरापुरम कोतवाली के सामने सेक्टर दस बी में रविवार सुबह पूर्व महिला किरायेदार ने मकान मालकिन को क्रिकेट बैट से पीटा। बाल पकड़कर घर से बाहर खींचकर ले आई। मारपीट के दौरान उनके चोट आई है। मारपीट का वीडियो पास में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। पीड़िता ने आरोपित महिला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।चित्ररेखा वसुंधरा सेक्टर दस बी में रहती हैं। उन्होंने बताया कि मोनिका नाम की महिला उनके यहां किराये पर रहने के लिए आई थीं। उन्होंने कुछ दिन बाद मकान खाली करा लिया था। आरोप है कि सुबह मोनिका आई। वह घर में काम कर रही थीं। बाल पकड़कर उन्हें खींचकर घर से बाहर ले आई। क्रिकेट बैट से बेरहमी से पीटा। पूर्व में भी वह कई बार उन्हें कई बार परेशान कर चुकी है।

वह उन्हें जान से मारने की धमकी दे रही है।सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई घटना

मारपीट का यह पूरा मामला पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। आसपास के लोग बीच बचाव भी कर रहे हैं। पीड़िता ने जान का खतरा जताते हुए इंदिरापुरम थाने में शिकायत की है।सहायक पुलिस आयुक्त स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

नोएडा में फटा बिजली का ट्रांसफार्मर, करीब 4 लोग झुलसे, एक की उपचार के दौरान मौत

नोएडा। थाना दादरी क्षेत्र के दौलत राम कॉलोनी में बीते सोमवार को बिजली का ट्रांसफार्मर फटने से गंभीर रूप से झुलसे 4 लोगों में रविवार को एक और युवक की मौत हो गयी। गंभीर रूप से झुलसे एक व्यक्ति की उपचार के दौरान दोपहर को मौत हो गई थी। थाना दादरी पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर बिजली विभाग के अज्ञात कर्मचारियों और अधिकारियों खिलाफ लापरवाही से मौत कारित करने की धारा में मुकदमा दर्ज किया है। थाना दादरी के प्रभारी निरीक्षक उमेश बहादुर सिंह ने बताया कि दौलतराम मार्केट के पास आइसक्रीम फैक्ट्री है। उसके लिए एक ट्रांसफार्मर लगाया गया है। सोमवार को ट्रांसफार्मर ओवरलोड होने से फट गया। उससे निकला हुआ खौलता तेल रास्ते से जा रहे जाहिद, आमिर, आसुददीन और रंजीत के ऊपर गिरा, जिससे चारों गंभीर रूप से झुलस गये।

उन्होंने बताया कि चारों को उपचार के लिए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इलाज के दौरान आसुददीन की रविवार को मौत हो गई थी इस घटना में घायल रंजीत की बीते शुक्रवार को मौत हो गई थी। थाना प्रभारी ने बताया कि इस बाबत मृतक रंजीत के पिता अमित चंद की शिकायत पर बिजली विभाग के अज्ञात अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ धारा 304-ए के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि इस घटना में गंभीर रूप से झुलसे अन्य दो लोगों का उपचार अभी चल रहा है।

नोएडा में कुत्ते के बच्चों को खाना खिलाने को लेकर कुछ लोगों में एक महिला के घर में घुसकर की मारपीट

नोएडा। कुत्ते के बच्चों को खाना खिलाने को लेकर कुछ लोगों में एक महिला के घर में घुसकर मारपीट की। इस घटना में महिला और उसके बेटे को गंभीर चोट आई। रिपोर्ट दर्ज पुलिस में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। थाना बीटा-2 के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि बीटा-2 सेक्टर में रहने वाली कामिनी सक्सेना ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह अपने बेटे शिरीष के साथ लावारिस कुत्तो को खाना खिलाने के लिए जा रही थी। रात 9 बजे के करीब कामनी व उनका बेटा कुत्तो को खाना खिला रहा थे।उनका आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले सुनील और अभय ने इसका विरोध किया। उन्होंने बताया कि दोनों ने उनके घर में घुसकर उनके साथ मारपीट की, तथा महिला से कहा कि वह घर खाली कर दें। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने महिला और उसके बेटे के साथ मारपीट करने वाले सुनील और अभय को गिरफ्तार कर लिया है।

आश्रम फ्लाईओवर का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को आश्रम फ्लाईओवर का उद्घाटन किया। इस दौरान केजरीवाल ने कहा कि आज बहुत खुशी का दिन है। पहले सुबह और शाम घंटों जाम लगता था, अब इससे निजात मिलेगी। डीएनडी से एम्स तक बिना रेड लाइट के पहुंच सकते हैं। वहीं निर्माण कार्य को लेकर दो महीने से आश्रम फ्लाईओवर बंद था। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाई टेंशन वायर की वजह से अभी हेवी व्हीकल वाहन अभी नहीं चल पाएंगे। ये 1425 मीटर लंबा है। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में कुल 101 फ्लाईओवर और अंडर पास है, जिसमें से 27 हमारी सरकार में बनें। दिल्ली में ऐसे 15 फ्लाईओवर बन रहे हैं, जोकि जल्दी बनकर तैयार हो जाएंगे, साथ ही सड़कों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। पीडब्लूडी की तकरीबन 1480 किलोमीटर की सड़कों को साफ और सुंदर बनाया जाएगा। वहीं, राबड़ी देवी से सीबीआई की पूछताछ पर दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि ये गलत है, विपक्ष के लोगों को प्रताड़ित करना ठीक नहीं है। यह ट्रेंड बनता जा रहा है कि जहां विपक्ष की सरकारें हैं, वहां काम नहीं करने दिया जाएगा। जनतंत्र तभी आगे चलेगा, जब सभी मिलकर काम करेंगे, जिसकी जहां सरकार है, उसे वहां काम करने दिया जाना चाहिए। इससे पहले उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी से नाराज दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने राज्यों की सभी गैर-भाजपा सरकारों को चैन से काम नहीं करने देने का फैसला लिया हुआ है।

अब कांग्रेस का पोस्टर वॉर सिसोदिया को लेकर लिखा जो भ्रष्टाचारी है वही देशद्रोही है

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को लेकर भाजपा के बाद, अब कांग्रेस ने भी पोस्टर वार किया है। कांग्रेस ने पार्टी मुख्यालय के बाहर कई पोस्टर चस्पा किये हैं। जिसमें मनीष सिसोदिया और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को जेल की सलाखों के पीछे दिखाया गया है। इस पोस्टर में लिखा गया है 'जो भ्रष्टाचारी है, वही देशद्रोही है' पोस्टर के नीचे दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी लिखा गया है, जिससे साफ है कि यह पोस्टर कांग्रेस नेता या कार्यकर्ताओं की ओर से लगाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि मनीष सिसोदिया को सीबीआई ने पिछले माह शराब घोटाले में गिरफ्तार किया था। इस मामले की शिकायत उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने की थी। वहीं वर्ष 2022 में दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को हवाला मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। वह करीब 9 माह से जेल में बंद हैं। उनपर कोलकाता की एक कंपनी को हवाला के माध्यम से करोड़ों रुपए का लाभ पहुंचाने का आरोप है। सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद 'आई लव मनीष सिसोदिया अभियान' पर भाजपा पहले आक्रामक थी और आप के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने भी मोर्चा खोल दिया है।

भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन को बड़ी राहत

दुष्कर्म मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट ने किया रद

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने दुष्कर्म मामले में भाजपा नेता शहनवाज हुसैन और उनके भाई के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के निचली अदालत के आदेश को दिल्ली हाई कोर्ट ने रद कर दिया है। न्यायमूर्ति अमित महाजन की पीठ ने हुसैन और उनके भाई को सुनवाई का अवसर देने के बाद मामले में नए सिरे से फैसले देने के लिए वापस अदालत में भेज दिया। हुसैन ने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वारा पारित आदेश को चुनौती दी थी।पीड़ित महिला ने आरोप लगाया था कि हुसैन के भाई शाहबाज हुसैन ने वर्ष 2017 में शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया, जबकि भाजपा नेता ने उसे इस मामले दबाने की कोशिश की थी। वहीं, मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया था।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने 31 मई 2022 को मामले को संज्ञेय अपराध बताते हुए दिल्ली पुलिस को शहनवाज हुसैन वि उनके भाई शाहबाज के खिलाफ प्राथमिकी करने का आदेश दिया था।

शराब घोटाले को लेकर भाजपा ने किया केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार का होलिका दहन

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले में सीएम केजरीवाल की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली सरकार को लगातार विपक्ष के हमले का सामना करना पड़ रहा है। अब सोमवार को दिल्ली भाजपा ने कथित घोटाले को लेकर केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार का होलिका दहन किया।दिल्ली भाजपा ने कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर पर के आगे दिल्ली सरकार के भ्रष्टाचार के होलिका दहन किया और उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भाजपा ने कनॉट प्लेस के अलावा लक्ष्मी नगर में भी होलिका दहन किया है।

दिल्ली पुलिस ने लग्जरी कार चुराने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का किया पर्दाफाश, 2 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सोमवार को एक अंतरराज्यीय ऑटो लिफ्टर गिरोह का पर्दाफाश किया है। जो राष्ट्रीय राजधानी से महंगी लग्जरी कारों और एसयूवी की चोरी करता था। पुलिस ने सोमवार को इस गिरोह के 2 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपितों की पहचान यूपी के संभल में रहने वाले मो. दानिश और दानिश उर्फ राजा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच महंगी लग्जरी कारें और एसयूवी भी बरामद की हैं।

पूर्वोत्तर में बेचते थे चोरी की हुई कारें: पुलिस

अधिकारी ने कहा कि यह गिरोह मंहगी कारों को चुराने के बाद फर्जी दस्तावेज तैयार करता था और फिर वे नागालैंड, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश और पूर्वोत्तर भारत के अन्य राज्यों में उन्हें बेचते थे। पुलिस के मुताबिक, संभल क्षेत्र के ऑटो लिफ्टर के बारे में सूचना मिली थी, जो दिल्ली में चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहा था यह आने वाले दिनों में ओखला इलाके में चोरी करने वाले थे। यह गिरोह केवल महंगी कारों की चोरी करता है।

पूछताछ के बाद पूर्वोत्तर भेजी टीम: जांच अधिकारी

पुलिस ने आगे कहा, 'सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए जाल बिछाया गया। विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) रवींद्र सिंह यादव ने कहा, मो. दानिश और राजा को एक चोरी की बाइक के साथ पकड़ा गया, जब वे एक फॉर्च्यूनर कार चोरी करने के लिए रेकी कर रहा थे। पूछताछ के बाद चोरी के वाहनों को बरामद करने के लिए क्राइम ब्रांच की एक विशेष टीम को उत्तर पूर्व राज्यों में भेजा गया था।÷ ÷टीम ने मणिपुर और नागालैंड के विभिन्न इलाकों में छापेमारी की और चोरी हुए वाहनों को बरामद किए। दोनों आरोपियों ने यह भी खुलासा किया कि संभल में रहने वाला गुलाम उनके गिरोह का सरगना है।'

चुराते थे महंगी कारें

इदरीश और राजा दिल्ली से महंगी कारों को चुराते थे और उन्हें संभल ले जाते थे, जहां दानिश और गुलाम ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर उन्हें नागालैंड, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश और उत्तर पूर्व भारत के अन्य राज्यों में बेचने के लिए ले जाते थे। उन्होंने मणिपुर में जुमा खान, इमरान, शहीदुर और सगोलसेम जॉनसन को कारें बेचीं हैं। अधिकारी ने कहा कि आगे की जांच की जा रही है और चोरी के अन्य वाहनों को बरामद करने और शेष आरोपियों को गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं, राजा और दानिश पहले भी वाहन चोरी के 25 से अधिक मामलों में संलिप्त पाए गए हैं।

नोएडा में अवैध रुप से मादक पदार्थ बेचने वाले 6 लोग गिरफ्तार

नोएडा। गौतम बुद्ध नगर पुलिस ने विभिन्न जगहों से अवैध रूप से मादक पदार्थ बेचने वाले 6 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि थाना फेस- वन पुलिस ने आज एक सूचना के आधार पर आरिफ पुत्र फारुख निवासी दिल्ली को गिरफ्तार किया है। इसके पास से पुलिस ने 1 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद किया है। मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना ईकोटेक -प्रथम पुलिस ने फैजल पुत्र डूबा शेख को गिरफ्तार किया है। इसके पास से पुलिस ने 40 पव्वे अवैध शराब बरामद किया है। उन्होंने बताया कि थाना फेस -वन पुलिस ने 500 ग्राम गाजा सहित साबिर पुत्र सादाब को गिरफ्तार किया है।मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना सेक्टर-63 पुलिस ने सागर सोलंकी को गिरफ्तार कर उसके पास से अरुणाचल प्रदेश मार्का 29 पव्वे अंग्रेजी शराब बरामद किया है। उन्होंने बताया कि थाना सेक्टर 58 पुलिस ने गौरव पुत्र नेत्रपाल को सवा किलो गांजा सहित गिरफ्तार किया है। मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना फेस- तीन पुलिस ने अमन खान पुत्र सर्फराज को 48 पव्वा शराब सहित गिरफ्तार किया है।

किताबों के प्रति दिखा दिल्ली-एनसीआर वासियों का प्रेम, पुस्तक मेले के अंतिम दिन उमड़ा हुजूम

नई दिल्ली। विश्व पुस्तक मेले के अंतिम दिन रविवार को भी प्रगति मैदान में बड़ी संख्या में पुस्तक प्रेमी पहुंचे। दिन भर मेले के हर मंडप में काफी रौनक रही। सुबह से ही पाठकों की भीड़ जो जुटनी शुरू हुई तो दोपहर तक किसी भी हाल में प्रवेश पाना कठिन हो गया। सभी हालों में पुस्तक प्रेमी लंबी लंबी लाइनों में प्रवेश करते दिखे। विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों में भी पुस्तक प्रेमियों का उत्साह देखने को मिला।कमोबेश ज्यादातर स्टाल पर लोग पसंदीदा पुस्तक खोजने में जुटे थे। प्रकाशकों ने भी अंतिम दिन होने के कारण छूट का दायरा बढ़ दिया था। कहीं से 25 से 40 प्रतिशत तक छूट थी तो कहीं 50 प्रतिशत से भी ज्यादा छूट दी गई। रविवार को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की 'द राइज आफ बीजेपी'; सतविंदर सिंह मदौलवी की 'शहीद कांशी राम मरौली', गुर देव सिंह सिंधु की 'शहीद उधम सिंह', रिचा भट्ट बडोला की 'एस्लीक लाइफः एमे मायर आफ आयल मैन सतीश चंदर'और 'कार गिल हीरोजः टेन एक्सक्लूसिव इंस्पायरिंग स्टोरीज' के साथ कई अन्य पुस्तकों पर चर्चा व उनका विमोचन किया गया।

सिसोदिया को मेंटली टॉर्चर कर रही सीबीआई, झूठे कबूलनामे पर साइन का दबावः 'आप'

नई दिल्ली। पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) रिमांड को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने प्रेस वार्ता कर कहा कि हम लोग एक खुलासा करने जा रहे हैं, पिछले छह दिनों से सिसोदिया को सीबीआई ने रिमांड पर लिया हुआ है, हमें जानकारी मिली है कि सिसोदिया को मेंटली टॉर्चर किया जा रहा है, ताकि वो एक झूठा कबूलनामा साइन कर दें।

भारद्वाज ने आगे कहा कि मनीष सिसोदिया ने अपने वकील के जरिए इस बात का संकेत दिया था, ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक ऐसा व्यक्ति जिसने गरीब बच्चों के लिए काम किया और आज जब सीबीआई के पास सबूतों का अभाव है, उनके पास एक रुपए की बेईमानी का सबूत नहीं है. इसलिए टॉर्चर कर दबाव बनाया जा रहा है। ताकि वो कबूल कर लें।

भारद्वाज ने आगे कहा कि पहले दिन से सीबीआई कह रही है कि हमारे पास सारे साक्ष्य है। भाजपा के प्रवक्ता पिछले 10 महीने से टीवी चैनल पर कह रहे थे कि हमारे पास सब कुछ है। लेकिन अब सीबीआई कह रही है कि कैबिनेट नोट भी नहीं है। पिछले दशक से मैं सुन रहा हूं कि भारतीय जनता पार्टी कहती है कि राहुल गांधी को हम जेल में डालेंगे। रॉबर्ट वाड्रा ने हरियाणा, राजस्थान के अंदर बहुत बड़े-बड़े घोटाले और जमीनों में हेराफेरी कि है, हम उन्हें जेल में डालेंगे। लेकिन किसी को जेल में नहीं डाला।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा के बीच केवल जुबानी जंग है। यह एक दूसरे से लड़कर पूरे देश को बेवकूफ बना रहे हैं। जब- जब देश के सवाल होंगे, कांग्रेस वहां पर गायब रही है। आज भी कांग्रेस गायब है। जब 2016 में मुख्यमंत्री के यहां छापा पड़ा तो कांग्रेस वहां पर ताली बजा रही थी। अजय माकन केंद्र सरकार के चीयर लीडर बने हुए थे।

भारद्वाज ने कहा कि जब-जब एलजी दिल्ली की सरकार को परेशान करते थे, अजय माकन कूद-कूदकर एलजी को चिट्ठियां भेजते थे। हमारे विज्ञापनों के विषय में अजय माकन ने चिट्ठी भेजी। आज देश के राज्यों में हर गवर्नर चुने हुए मुख्यमंत्री को परेशान कर रहा है। तमिलनाडु में स्टालिन साहब, तेलंगाना में केसीआर और पंजाब में भगवंत मान साहब को परेशान कर रहे हैं।

गैर भाजपा शासित राज्य सरकारों को गिराने के लिए पीएम कर रहे सीबीआई-ईडी का इस्तेमाल : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री गैर भाजपा शासित राज्य सरकारों को गिराने के लिए सीबीआई-ईडी का इस्तेमाल कर रहे हैं। प्रधानमंत्री की कार्यशैली हो गई है कि किसी राज्य में दूसरे दल की सरकार को काम नहीं करने देंगे और उस पर सीबीआई-ईडी छोड़ देंगे।

उन्होंने कहा कि सीबीआई-ईडी से डराकर दूसरे दलों की सरकारें गिरा देते हैं। गोवा, महाराष्ट्र, कर्नाटक इसके उदाहरण हैं। वहीं, भाजपा में आते ही नेताओं पर लगे सारे मुकदमें खत्म हो जाते हैं। जैसे हेमंत विश्वा शर्मा, शुभेंदु अधिकारी, मुकुल राय व नारायण राणे पर लगे सारे मामले खत्म हो गए। अगर मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन मेरा साथ छोड़ भाजपा में चले जाएं तो आज न वो जेल में होते और न उन पर कोई मुकदमा होता। इसी तरह, प्रधानमंत्री गवर्नर का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। सीएम एम.के. स्टालिन, केसीआर, पिनराई विजयन, ममता बनर्जी, नीतीश कुमार गवर्नर से परेशान हैं, जबकि दिल्ली के उपराज्यपाल तो देश के संविधान और सुप्रीम कोर्ट को मानते ही नहीं हैं। केजरीवाल ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि कपिल सिब्बल हमारे देश के जाने-माने बहुत बड़े वकील हैं। वकील होने के साथ-साथ सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों के ऊपर वो काफी सक्रिय रहते हैं। कपिल सिब्बल ने 'इंसाफ के सिपाही' नाम से पूरे देश में एक मुहिम शुरू की है। इस मुहिम जरिए वे देश के अलग-अलग हिस्सों से अलग-अलग तबके के लोगों को जोड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि खासकर वो इस मुहिम से वकीलों को जोड़ना चाहते हैं। अगर दुनिया का इतिहास देखें तो अमेरिकी व फ्रांस की क्रांति और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में वकीलों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था।

उन्होंने वकीलों को जोड़ने के वेबसाइट लांच की है। मैं देशभर के वकीलों और आम जनता से भी अपील करूंगा कि कपिल सिब्बल की यह बहुत अच्छी पहल है, उनके साथ जुड़ें। देश के अंदर जहां भी किसी के साथ किसी भी तरह की नाइंसाफी हो रही है उस नाइंसाफी में न्याय दिलाने के लिए पूरा पूरा प्रयत्न करें।

होली के त्यौहार को लेकर नोएडा पुलिस हुई सतर्क, बनाई रणनीति, चप्पे-चप्पे पर रहेगी पैनी नजर

नोएडा। होली के त्यौहार पर कोई अनहोनी ना हो इस बात को लेकर नोएडा पुलिस कमिश्नरेट ने विशेष रणनीति बनाई है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार शहर में 36 जगह बैरिकेडिंग की जाएगी।

इसका मकसद यह है कि कोई भी सेक्सी मदिरा का सेवन करके वाहन को तेज गति से ना चलाएं। जहां पर बैरिकेडिंग होगी वहीं पर ड्रंकन ड्राइव की भी चेकिंग होगी। अगर कोई भी वाहन चालक या दोपहिया वाहन सवार नशे में मिला तो पुलिस उसे रोक लेगी। नशा उतरने तक वह पुलिस की निगरानी में रहेगा। इस बारे में सभी थाने और चौकियों को निर्देश जारी हो गए हैं।

सहायक पुलिस आयुक्त (जोन प्रथम) शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि तेज रफ्तार वाहनों को रोका जाएगा। शराब के नशे में कोई वाहन चालक अगर वहां चलाता है तो उसे खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि नोएडा शहर में कुछ विशेष जगह चिह्नित किया गया हैं वहां पर पीआरवी लगाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि होली के पहले से ही सतर्कता बरतने की शुरुआत कर दी गई है। सभी शराब ठेकों के आसपास 8 से 10 बजे के बीच चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। कोई भी खुले में शराब न पीने पाए इस पूरा जोर दिया जा रहा है। मार्केट और सेक्टर एरिया में मार्च कराया जा रहा है।

होली पर पुलिस की सतर्कता सिर्फ शराबियों तक ही सीमित नहीं है बल्कि कानून व्यवस्था पर भी फोकस है। इसके लिए हर एक थाना क्षेत्र के हिसाब से होलिका दहन स्थल की सूची तैयार कराई गई है। जहां पर सोसायटी हैं उनकी एओए और आरडब्लूए से भी जानकारी ली गई है। सुबह के समय होलिका दहन वाले स्थानों के पास से कोई भारी वाहन नहीं गुजरेगा। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस ने भी तैयारी की है।

सहायक पुलिस आयुक्त (जोन प्रथम) शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि तेज रफ्तार वाहनों को रोका जाएगा। शराब के नशे में कोई वाहन चालक अगर वहां चलाता है तो उसे खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महिला प्रीमियर लीग से युवा लड़कियों को मिलेगी प्रेरणा : नीता अंबानी

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई (ईएएस)। मुंबई इंडियंस की मालिक नीता अंबानी ने कहा है कि महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्ल्यूपीएल) से अधिक से अधिक महिलाएं खेलों की ओर प्रेरित होगी। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि यह इस लीग से देश भर की युवा लड़कियों को खेल से जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी। इसके साथ ही वह अपने अपने सपने को साकार करने और अपने दिल की सुनने के लिए प्रेरित होंगी।

मुंबई ने उद्घाटन मैच में नीता के सामने अच्छा प्रदर्शन किया था। डब्ल्यूपीएल के पहले सत्र का पहला मुकाबला मुंबई ने गुजरात जाएंट्स पर बड़ी जीत दर्ज की थी। इस दौरान दर्शकों ने खिलाड़ियों का पूरे समय उत्साह बढ़ाया। उन्होंने मुंबई इंडियंस के पारंपरिक पोस्ट-गेम ड्रेसिंग रूम समारोह का भी नेतृत्व किया। एक साक्षात्कार में नीता ने कहा कि डब्ल्यूपीएल का शुरुआती दिन एक अविस्मरणीय घटना थी।डब्ल्यूपीएल का हिस्सा बनना बहुत रोमांचक अनुभव है। साथ ही कहा कि डब्ल्यूपीएल से अधिक से अधिक महिलाओं को खेलों में अपना कैरियर बनाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि यह देश भर की युवा लड़कियों को खेल में शामिल होने, अपने सपने को साकार करने और अपने दिल की सुनने के लिए प्रेरित करेगा। इसके साथ ही उन्होंने बड़ी तादाद में लोगों के स्टेडियम पहुंचने ओर खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाने पर भी खुशी जतायी है।

नोवाक जोकोविच ने इंडियन वेल्स से अपना नाम वापस लिया

लॉस एंजेलिस(एजेंसी)। सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी और 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने अमेरिका में होने वाले इंडियन वेल्स मास्टर्स 2023 से अपना नाम वापस ले लिया है। आयोजकों ने रविवार देर रात इसकी पुष्टि करते हुए अंदेशा दिया कि जोकोविच को कोरोनावायरस का टीका लगवाये बिना अमेरिका में प्रवेश के लिये मंजूरी नहीं मिली। आयोजकों ने एक बयान में कहा, ''विश्व के शीर्ष खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने 2023 बीएनबी परिबास ओपन से नाम वापस ले लिया है। उनकी जगह निकोलोज़ वसिलाशविली फील्ड पर उतरेंगे।' उल्लेखनीय है कि जोकोविच ने छह मार्च से इंडियन वेल्स और 19 मार्च से मियामी में होने वाले आयोजनों में खेलने की विशेष अनुमति के लिये पिछले महीने अमेरिकी सरकार के पास आवेदन किया था। अमेरिका में फिलहाल कोविड टीका लगवाए बिना प्रवेश प्रतिबंधित है। इस नीति की वजह से जोकोविच पिछले साल इंडियन वेल्स, मियामी ओपन और अमेरिकी ओपन में भी हिस्सा नहीं ले सके थे।

फ्लोरिडा के सीनेटर रिक स्कॉट और माकर रुबियो ने गत शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को पत्र लिखकर जोकोविच को छूट देने का आग्रह किया। इंडियन वेल्स टूर्नामेंट के निदेशक टॉमी हास, अमेरिकी टेनिस संघ और अमेरिकी ओपन को भी उम्मीद थी ताकि सर्बियाई दिग्गज को कोविड वैक्सीन लगवाये बिना अमेरिका में प्रवेश की उम्मीद दी जायेगी। जोकोविच ने फिलहाल इस पर कोई बयान जारी नहीं किया है।

कमिंस अंतिम टेस्ट भी नहीं खेलेंगे, स्मिथ ही रहेंगे कप्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम के कप्तान पैट कमिंस भारत के खिलाफ अहमदाबाद में 9 मार्च से होने वाले चौथे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में भी नहीं खेलेंगे। कमिंस दूसरे टेस्ट के बाद ही निजी कारणों से स्वदेश लौट गये थे। तीसरे टेस्ट में उनकी जगह कप्तानी संभालने वाले स्टीव स्मिथ अब इस मैच में भी कप्तानी करेंगे। स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की थी।

भारत के खिलाफ चार मैच की टेस्ट सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया को तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज भी खेलनी है। इस सीरीज में भी कमिंस के खेलने पर फैसला अभी नहीं हुआ है। कमिंस को पिछले साल एरोन फिंच के खेल को अलविदा कहने के बाद कप्तान बनाया गया था।

वहीं झाय रिचर्डसन भी चोटिल होने के कारण एकदिवसीय टीम से बाहर हो गये हैं। रिचर्डसन को यह चोट गत माह क्लब क्रिकेट के दौरान लगी थी। उनके विकल्प के तौर पर नाथन एलिस को टीम में जगह मिली है। रिचर्डसन अपनी इस चोट के कारण ही बीबीएल से भी बाहर हो गये थे।

ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम इस प्रकार है। स्टीव स्मिथ (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, ट्रैविस हेड, मारनस लाबुस्चगने, पीटर हैंड्सकॉम्ब, कैमरन ग्रीन, एलेक्स केरी (विकेटकीपर), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, टॉड मर्फी, मैथ्यू कुह्नमैन, मिशेल स्वेपसन, मैट रेनशॉ, स्कॉट बोलैंड और लांस मॉरिस।

अहमदाबाद टेस्ट में अपने स्वाभाविक तरीके से खेलेंगें : कैरी

इंदौर। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने कहा है कि 9 मार्च से अहमदाबाद में होने वाले बॉर्डर गावस्कर क्रिकेट ट्रॉफी के चौथे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में भी वह अपने स्वाभाविक तरीके से ही खेलेंगे। कैरी का अंदाज आक्रामक क्रिकेट खेलना रहा है। कैरी के अनुसार अपनी स्वाभाविक शैली में खेलने पर ही वह अधिक रन बना पाते हैं। कैरी ने अभी तक सीरीज में 56 रन ही बनाये हैं। उनका मानना है कि टर्न लेती पिचों पर खेलने की उनकी टीम के सभी बल्लेबाजों की अपनी शैली है और वह उसी पर चलेंगे। उन्होंने कहा, 'पहले टेस्ट में मेरे अंदर आत्मविश्वास नहीं था जबकि दूसरे में रक्षात्मक अंदाज में खेलते के कारण मैंने अपना विकेट खो दिया। अब में स्वाभाविक तरीके से अपने स्वीप शॉट खेलूंगा। साथ ही कहा कि भारत में अपनी शैली में ज्यादा बदलाव नहीं करना चाहिये। कैरी ने कहा, 'हम सभी जानते हैं कि हमारे खिलाड़ी अलग तरह से खेलते हैं। ट्रेविस हेड आक्रामक खेलता है जबकि पीटर हैंडस्कांब तेजी से खेलता है और स्टीव स्मिथ का अपना ही अंदाज। इसलिए अंतिम टेस्ट में हम अपने ही तरीके से खेलेंगे टेस्ट में हम अपने स्वाभाविक अंदाज में ही खेलेंगे। इस सीरीज के तीसरे मैच में मिली जीत से ऑस्ट्रेलियाई टीम उत्साहित है और अब उसका लक्ष्य अंतिम मैच जीतकर सीरीज में बराबरी हासिल करना रहेगा।

महिला प्रीमिकर लीग : हैरिस, सोफी की शानदार बल्लेबाजी से यूपी वारियर्स जीती

मुम्बई (एजेंसी)। ग्रेस हैरिस और सोफी एक्लेस्टोन के बीच हुई शानदार साझेदारी से यूपी वारियर्स ने गुजरात जायंट्स को तीन विकेट से हरा दिया। गुजरात ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए हरलीन देओल के 46 रनों की सहायता से छह विकेट पर 169 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को यूपी वारियर्स की टीम ने सात विकेट पर 175 रन बनाकर हासिल कर लिया। जीत के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की शुरुआत अच्छी नहीं रही। गुजरात की गेंदबाज किम गर्थ ने 36 रन देकर 5 विकेट लेने के साथ ही यूयी को करारा झटका दिया। टीम ने 105 रनों तक पहुंचते हुए सात विकेट खो दिये पर इसके बाद हैरिस और एक्लेस्टोन ने आक्रामक बल्लेबाजी कर बाजी पलट दी। इन दोनो ही खिलाड़ियों ने मैदान के चारों ओर शॉट खेले। हैरिस ने 53 जबकि सोफिया ने 22 रन बनाए। वहीं इससे पहले गुजरात जायंट्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी शुरु की। एस मेघना और सोफिया डंकले 13 ने पहले विकेट के लिए 34 रन जोड़कर उसे अच्छी शुरुआत दिलाई। यह दोनों सलामी बल्लेबाज हालांकि पांच गेंद के अंदर पवेलियन लौट गए। दीप्ति शर्मा ने डंकले को आउट किया जबकि एक्लेस्टोन ने मेघना को शार्ट आउट कराया। इसके बाद। एक्लेस्टोन ने अनाबेल सदरलैंड को 8 रनों के निजी स्कोरपर पवेलियन भेज दिया।

सुषमा वर्मा 9 रन बनाकर आउट हुईं। हरलीन ने यहीं से गार्डनर के साथ पांचवें विकेट के लिए 44 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की हालांकि हरलीन अर्धशतक बनाने से रह गयी। हरलीन ने 46 रन बनाये। हरलीन के अलावा ऐशलीग गार्डनर ने 25 रन जबकि एस मेघना ने 24 रनों की पारी खेली। हेमलता ने भी नाबाद 21 रन बनाये। वारियर्स की ओर से ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा और एक्लेस्टोन ने दो-दो खिलाड़ियों को आउट किया।

पिच की जगह पर अपने प्रदर्शन पर ध्यान दें क्रिकेटर : आरपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर आरपी सिंह ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में पिच पर उठे सवालों को बेकार बताते हुए कहा कि इसकी जगह पर खिलाड़ियों को अपना प्रदर्शन बेहतर करने पर ध्यान देना चाहिये। आरपी ने कहा कि टेस्ट मैचों 2 से 3 दिनों में समाप्त होने के लिए खिलाड़ी जिम्मेदार है न कि पिच। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, यह पहली बार नहीं है कि मैच दो या तीन दिनों में समाप्त हुआ है। मुझे लगता है कि हमें किसी पिच या मैदान पर दोष निकालने की जगह अपने खेल पर ध्यान देना चाहिये। एक कार्यक्रम में पूर्व क्रिकेटर विनोद

कांबली के साथ शामिल हुए आरपी ने कहा, हमें अच्छा खेलना चाहिए और पिचों को दोष देने की जगह पर अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहिए। दोनों टीमें एक ही पिच पर खेल रही थीं, ऐसे में बेहतर प्रदर्शन वाली टीम ही जीतती है।

आरपी ने भारत में महिला क्रिकेट की प्रगति और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के लॉन्च को लेकर कहा कि महिलाएं भी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने भी अच्छी शुरुआत की है पर इससे आगे बढ़ने में समय तो लगता ही है। , उम्मीद है कि अगले 10-12 सालों में इसे भी पुरुष आईपीएल जीतनी ही लोकप्रियता मिल जाएगी। इसके लिए हमें महिला क्रिकेट को भी उसी प्रकार की सुविधाएं देनी होंगी जैसी पुरुष क्रिकेटरों को मिलती है।

यूपी की किरण के बल्ले पर लिखा है धोनी

मुम्बई । महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में खेल रही यूपी वारियर्स की किरण नवगिरे ने अब तक अपनी टीम की ओर से आक्रामक अर्धशतकीय पारियां खेली हैं। इसके साथ ही खास बात यह रही कि किरण के बल्ले पर कोई प्रोमोशनल स्टीकर नहीं लगा। इसकी जगह उन्होंने इस पर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का नाम और जर्सी नंबर एमएसडी 07 लिख दिया। इसका पता चलने के बाद से ही उनका बल्ला सोशल मीडिया में छाया हुआ है। धोनी के प्रशंसकों ने भी किरण की तारीफ की है। गुजरात जायंट्स के साथ हुए मैच में भी किरण ने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 6 विकेट पर 169 रन बनाए। जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए यूपी के तीन विकेट 20 रनों के अंदर ही गिर गये पर चौथे विकेट के लिए किरण और दीप्ति शर्मा के बीच हुई 66 रन की अहम साझेदारी से मैच पलट गया। किरण ने आक्रामक बल्लेबाज करते हुए गुजरात के गेंदबाजों को दबाव में ला दिया। अपनी पारी के दौरान किरण ने 5 चौके और 2 छक्के लगाये। इससे टीम को वापसी करने में आसानी रही और उसने तीन विकेट से मैच जीत लिया।

अब वाइड और नो-बॉल के लिए भी मिलेगा डीआरएस

मुम्बई । पहली बार खेले जा रहे महिला वुमेंस प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट (डब्ल्यूपीएल) में अब वाइड और नो-बॉल के लिए भी डिसिजन रिव्यू सिस्टम यानी (डीआरएस) की सुविधा रहेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार पहले डीआरएस केवल आउट या नॉटआउट को देखने के लिए ही लिया जाता था। एक रिपोर्ट के अनुसार कई बार एक वैस्ट हाईट की नो बॉल पूरा खेल बदल देती है। ऐसा ही वाइड बॉल के साथ भी है, जहां एक रन से बहुत फर्क पड़ जाता है। इसी को देखते हुए डीआरएस का विकल्प दिया गया है। डब्ल्यूपीएल अंतिम ग्यारह में कहा गया है, एक खिलाड़ी टाइम्ड आउट (प्लेयर रिव्यू) होने से पहले ऑन-फील्ड अंपायरों द्वारा लिए गए किसी भी फैसले की समीक्षा का अनुरोध कर सकता है कि बल्लेबाज को आउट किया जाए या नहीं। एक खिलाड़ी को मैदानी अंपायरों द्वारा वाइड या नो-बॉल के संबंध में लिए गए किसी भी निर्णय की समीक्षा करने की अनुमति दी जा सकती है।

वहीं अब तक डीआरएस के तहत खिलाड़ी केवल आउट होने वाले ऑन-फील्ड फैसलों की समीक्षा ही की जा सकती थी पर डब्ल्यूपीएल और आईपीएल में ऐसा नहीं होगा। ये रिव्यू वाइड और नो बॉल के लिए भी उपलब्ध होंगे, लेकिन दो ही रिव्यू एक टीम को मिलेंगे। एक पारी में दो ही रिव्यू मिलेंगे और असफल होने पर रिव्यू आगे नहीं लिए जा सकेंगे।

पाकिस्तान सुपर लीग: क्वेटा को हराकर इस्लामाबाद पीएसएल प्लेआफ में

रावलपिंडी (एजेंसी)। हरफनमौला फहीम अशरफ ने आखिरी ओवर में लगातार तीन चौके लगाये जिसकी मदद से इस्लामाबाद युनाइटेड ने क्वेटा ग्लेडिएटर्स को दो विकेट से हराकर पाकिस्तान सुपर लीग के प्लेआफ में प्रवेश कर लिया। क्वेटा ने छह विकेट पर 179 रन बनाये थे जिसके जवाब में इस्लामाबाद को आखिरी ओवर में नौ रन चाहिये थे। अशरफ 39 रन बनाकर नाबाद रहे जिन्होंने तेज गेंदबाज ओडियन स्मिथ को पहली तीन गेंद पर तीन चौके लगाये। इस्लामाबाद ने तीन गेंद बाकी रहते आठ विकेट पर 183 रन बनाये।

इस्लामाबाद की यह सात मैचों में पांचवीं जीत है और वह लाहौर कलंदर्स के बाद दूसरे स्थान पर है। कलंदर्स प्लेआफ के लिये क्वालीफाई करने वाली पहली टीम थी। वहीं क्वेटा सात मैचों में महज दो अंक लेकर बाहर होने की कगार पर है। क्वेटा के लिये नजीबुल्लाह जदरान ने 34 गेंद में 59 रन बनाये जबकि मोहम्मद नवाज ने 44 गेंद में 52 रन की पारी खेली। वहीं इस्लामाबाद के लिये कोलिन मुनरो ने 29 गेंद में 63 रन बनाये जिसमें चार छक्के और पांच चौके शामिल थे।

प्रीमियर लीग : लिवरपूल ने मैनचेस्टर युनाइटेड को 7- 0 से रौंदा

लिवरपूल। लिवरपूल ने प्रीमियर लीग के अहम मुकाबले में मैनचेस्टर युनाइटेड को 7 .0 से हराया जो पिछले 90 साल में उसकी सबसे खराब हार रही। इससे पहले 1931 में उसे वोल्वेरम्पटन ने इसी अंतर से हराया था। वहीं लिवरपूल की युनाइटेड के खिलाफ यह सबसे बड़ी जीत थी। इससे पहले उसने सबसे बड़ी जीत 1895 में दर्ज की थी जब युनाइटेड को 7 .1 से हराया था। अब 20 बार की चैम्पियन युनाइटेड तीसरे स्थान पर है और शीर्ष पर काबिज आर्सनल से 14 अंक पीछे है। चौथे स्थान पर टोटेनहम के युनाइटेड से तीन ही अंक कम है। लिवरपूल के लिये कोडी गाकपो, डारविन नुनेज और मोहम्मद सालाह ने दो दो गोल किये जबकि राबर्टो फर्मिनो ने एक गोल दागा।

भारोत्तोलक मीराबाई चानू को बीबीसी का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ महिला भारतीय खिलाड़ी का पुरस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नयी दिल्ली। तोक्यो ओलंपिक खेलों की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू को जनता के मतदान के बाद वर्ष 2022 के लिए बीबीसी का वर्ष का भारतीय महिला खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए चुना गया। मणिपुर की यह 28 वर्षीय भारोत्तोलक पहली ऐसी खिलाड़ी बन गई हैं जिन्होंने लगातार दो वर्ष यह पुरस्कार जीता। इससे पहले 2021 में भी उन्होंने यह पुरस्कार हासिल किया था। मीराबाई भारोत्तोलन में ओलंपिक रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। पिछले साल उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता

था। उन्होंने 2022 में विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल किया था।

मीराबाई ने कहा,'' मैं वास्तव में रोमांचित हूं और यह कहना चाहती हूं कि मैं आगामी खेलों में और कड़ी मेहनत करूंगी और भारत के लिए अधिक पदक जीतूंगी।'' इस पुरस्कार के लिए जिन अन्य खिलाड़ियों को नामित किया गया था उनमें पहलवान विनेश फोगाट और साक्षी मलिक, मुक्केबाज निकहत जरीन और बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू शामिल हैं। टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल को वर्ष की पैरा महिला खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए चुना गया। भारतीय महिला हॉकी टीम के पूर्व कप्तान प्रीतम सिवाच को बीबीसी जीवन पर्यंत उपलब्धि पुरस्कार दिया गया।

दिल्ली की टीम इस प्रकार पांच विदेशी खिलाड़ियों के साथ उतरी

मुम्बई । यहां हुए महिला प्रीमियर लीग टी20 क्रिकेट के दूसरे ही मैच में दिल्ली कैपिटल्स के ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 60 रनों से हरा दिया। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली की टीम ने 224 रन बनाये। जिसके जवाब में आरसीबी की टीम आठ विकेट पर 163 रन ही बना पायी। दिल्ली की जीत में शैफाली वर्मा और मेग लेनिंग के अर्धशतकों के अलावा गेंदबाजी में पांच विकेट लेने वाली तारा नॉरिस की अहम भूमिका रही। एक और अहम अंतर ये रहा कि कैपिटल्स पांच विदेशी खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतरी जबकि महिला प्रीमियर लीग में मैच के दौरान चार-विदेशी खिलाड़ियों को ही शामिल करने की मंजूरी मिली हुई है। महिला लीग के नियमों के अनुसार यदि संबंधित क्रिकेटर एक सहयोगी राष्ट्र से हो तो पांचवे खिलाड़ी को भी शामिल किया जा सकता है। इस साल की शुरुआत में नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स एकमात्र टीम थीं जिन्होंने अपने रोस्टर में एक सहयोगी खिलाड़ी को जोड़ा जो संयुक्त राज्य अमरीका की तारा नॉरिस है। पांचवे विदेशी खिलाड़ी के तौर पर उतरी नॉरिस ने भी दिल्ली को निराश नहीं किया और पांच विकेट लिए। वहीं अन्य चार विदेशी खिलाड़ियों में कप्तान लैनिंग, मरिजैन कैप, एलिस कैपसे और जेस जोनासेन शामिल हैं। वहीं आरसीबी की टीम में चार विदेशी खिलाड़ी सोफी डिवाइन, हीथर नाइट, एलिसे पेरी और मेगन शट्ट शामिल थीं।

तेंदुलकर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, लेकिन कप्तान के तौर पर वह हार गए: शोएब अख्तर

लाहौर (एजेंसी)। सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली के बीच तुलना करते हुए पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा है कि 'मास्टर ब्लास्टर' एक बेहतर बल्लेबाज थे, लेकिन एक कप्तान के रूप में वह हार गया था। अख्तर ने खुलासा किया कि 49 वर्षीय खुद को एक कप्तान के रूप में साबित नहीं कर सके और इसे खुद ही छोड़ दिया। विराट के लिए अख्तर का मानना है कि जब दिमाग फ्री होगा तो क्रिकेटर परफॉर्म करेगा। टी20 विश्व कप 2022 का उदाहरण देते हुए पूर्व तेज गेंदबाज ने उल्लेख किया कि विराट मैच पर हावी हो सकते हैं यदि उनका दिमाग किसी चीज में व्यस्त नहीं है।

अख्तर ने कहा, 'देखिए, मेरा मानना है कि सचिन तेंदुलकर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। लेकिन एक कप्तान के रूप में वह हार गए। उन्होंने खुद कप्तानी छोड़ी।' 'मैं अपने एक दोस्त से विराट कोहली के बारे में बात कर रहा था और हम उसी पर चर्चा कर रहे थे। वह हार गया था, और जब वह अपने दिमाग पर काम करेगा, तो वह प्रदर्शन करेगा। जब उसका दिमाग आजाद हो गया तो उसने टी20 विश्व कप पर राज किया।'

पूर्व क्रिकेटर ने अतीत में अपने प्रदर्शन के लिए विराट कोहली की भी सराहना की। 47 वर्षीय ने सभी को याद दिलाया कि एक समय भारत विराट कोहली के शतकों के कारण मैच जीतता था। उन्होंने कहा, 'लोग मुझसे कहते हैं कि तुम विराट कोहली की बहुत तारीफ करते हो। मैं बस कहता हूं, मुझे ऐसा क्यों नहीं करना चाहिए? एक दौर में भारत विराट के शतकों की वजह से जीत जाता था।'

अहमदाबाद में चौथे और अंतिम टेस्ट में रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम इस क्षेत्र में सुधार करने और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए जीत हासिल करने की उम्मीद करेगी।

रेना हैं आईपीएल इतिहास के सबसे महान खिलाड़ी : कुंबले

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले आईपीएल का सबसे महान खिलाड़ी सुरेश रेना को मानते हैं। कुंबले की नजर में विराट कोहली, महेन्द्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा, एबी डिविलियर्स और शिखर धवन नहीं बल्कि रैना इस अवार्ड के अधिकारी हैं। कुंबले से जब यह पूछा गया कि आईपीएल इतिहास का सबसे बेहतर खिलाड़ी कौन है तो कुंबले ने रैना का नाम लिया। रैना ने गत वर्ष आईपीएल से भी संन्यास ले लिया था। उन्होंने अंतिम बार ये टूर्नामेंट साल 2021 में खेला था। उन्होंने आईपीएल में 205 मैचों में भाग लेते हुए 136 के स्ट्राइक रेट से 5,528 रन बनाए है। इसमें एक शतक भी शामिल है।

इनर लाइन परमिट को लेकर बैठक सम्पन्न

शामिल संगठनों के प्रतिनिधियों ने किया आईएलपी का समर्थन

अनुगामनी का.सं.

गंगटोक, 06 मार्च । राज्य सरकार के अधीन इनर लाइन परमिट (आईएलपी) संबंधी समिति ने राज्य में आईएलपी को लागू करने की आवश्यकता और लाभों पर चर्चा करने के लिए आज चिंतन भवन में एक बैठक की।

चर्चा के दौरान बताया गया कि समिति को कई लोगों और संगठनों से कई अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं। आईएलपी के नियमन के संदर्भ में मुद्दों को समझने के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में सिक्किम सरकार बनाई गई और श्री सांता प्रधान की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय आईएलपी समिति के सदस्यों ने भाग लिया।

पर्यटन विभाग, कानून विभाग, सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट के सदस्य, संयुक्त कार्रवाई परिषद, सिक्किम लेखचा एसोसिएशन, सिक्किम लेखचा यूथ एसोसिएशन, सिविल सोसाइटी, गंगटोक, सिक्किम मूलनिवासी सुरक्षा संगठन, सिक्किम होटल और रेस्तरां संघ, बैठक में सिक्किम मुलबासी सुरक्षा संघ, सिक्किम यखा-दीवान समिति, सिक्किम दरबार कर्मचारी संघ और आम जनता भी उपस्थित थी।

चर्चा में सभी प्रतिभागियों ने राज्य में आईएलपी के कार्यान्वयन का समर्थन किया। सदन ने यह भी सिफारिश की कि नियमों और विनियमों को लागू करने से पहले सटीक और अच्छी तरह से लिखा जाना चाहिए। सदस्यों ने डिजिटल डेटा विश्लेषण के लिए प्रभावी सॉफ्टवेयर प्रोग्राम शुरू करने का भी सुझाव दिया जो उपयोगकर्ता के अनुकूल हो। कुछ सदस्यों ने एक प्रभावी सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन की मदद से परमिट अनुमतियों के मुद्दे को संभालने के लिए एक अलग विभाग बनाने पर जोर दिया।

इसके अलावा, सदस्यों ने सिफारिश की कि आईएलपी परमिट ग्रेड-दर-ग्रेड जारी किया जाए और सरकार से श्रम विभाग के माध्यम से दरों को मानकीकृत करने के लिए कहा ताकि आम जनता को किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े। इसी तरह, उन्होंने राज्य के प्रतिबंधित क्षेत्रों में परमिट को सख्ती से लागू करने का भी अनुरोध किया। सदस्य समिति ने आश्वासन दिया कि वे सिक्किम के लोगों के कल्याण के लिए अथक रूप से काम करेंगे, और वे उपस्थित लोगों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों के बारे में सरकार को सूचित करने पर भी सहमत हुए।

सम्मेलन का समापन समिति के अध्यक्ष की समापन टिप्पणियों के साथ हुआ, जिन्होंने सभी के सहयोग से काम करने की कसम खाई और कहा कि समिति के सदस्य जल्द ही आईएलपी के लिए राज्य नीति का मसौदा तैयार करेंगे।

खेती के क्षेत्र में आगे आएं युवा : लोकनाथ शर्मा

अनुगामनी नि.सं.

सोरेंग, 06 मार्च । जिला बागवानी विभाग के तत्वावधान में आज स्थानीय हिने हर्टिकल्चर फार्म में सेब की खेती पर एक दिवसीय जागरुकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

इस अवसर पर राज्य के कृषि व बागवानी मंत्री लोकनाथ शर्मा, राज्य अनुसूचित जनजाति कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष पीके सुब्बा, बागवानी सचिव सदन कुमार तामंग, अतिरिक्त निदेशक बीएल दहाल, जिला संयुक्त बागवानी निदेशक रोबिन गुरुंग, संयुक्त निदेशक सुरेन गुरुंग के अलावा कृषि प्रचारक जिग्मी लेखचा, दरमदीन प्रमंडल बागवानी प्रशासनिक केंद्र के उप-निदेशक भानु शर्मा एवं अन्य अधिकारियों ने हिस्सा लिया। वहीं इसमें स्थानीय पंचायत सदस्यों के अलावा 50 किसानों ने भी भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि सिक्किम में केसर की खेती के सफल प्रशिक्षण के बाद सेब की खेती की संभावना को ध्यान में रखते हुए राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने बीते 4 मार्च को राजभवन परिसर में जम्मू-कश्मीर से लाए गए सेब के पौधे लगाकर इसके प्रोत्साहन कार्यक्रम की शुरुआत की थी। उसके बाद आज राज्य के कृषि व बागवानी मंत्री लोकनाथ शर्मा ने हिले फार्म में भी सेब के पौधे लगा कर इस कार्यक्रम की शुरुआत की।

इस अवसर पर मंत्री लोकनाथ शर्मा ने शिक्षित युवाओं को भी खेती के क्षेत्र में आने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सिक्किम के लोगों को अब अपनी मानसिकता में बदलाव करते हुए खेती को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार दूध उत्पादक किसानों के साथ-साथ विभिन्न खेती में किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए धनराशि प्रदान कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने किसानों को 17 करोड़ की प्रोत्साहन राशि प्रदान किये जाने के क्रम में स्थानीय पंचायतों को ग्राम सभा के माध्यम से सही किसानों का चयन करने को कहा।

वहीं उन्होंने हिले, ओखरे, रिबदी, वारेंग के साथ ही अपर भेक में केसर और आइफिल की खेती के लिए जलवायु को बहुत अनुकूल बताते हुए स्थानीय किसानों से इसकी खेती पर जोर देने का आग्रह किया।

मंत्री ने आगे कहा कि सिक्किम सरकार ग्रामोन्मुख सरकार है, इसलिए आज किसानों की आय में इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार खेती ही भविष्य है और भविष्य खेती है, की अवधारणा के साथ काम कर रही है।

राज्य बागवानी विभाग के मुताबिक सिक्किम की जैविक मिट्टी और अनुकूल जलवायु में आइफिल की खेती किसानों के लिए आय का अच्छा जरिया बन सकती है। दस हजार फीट की ऊंचाई पर 16 हेक्टेयर में भूखंड में फैला राज्य बागवानी विभाग का हिले फार्म राज्य का सबसे बड़ा फार्म है। पहले यह फार्म सिक्किम में आलू की खेती के लिए प्रसिद्ध था। लेकिन वन्यजीवों के बढ़ते उत्पात के कारण अब वहां आलू की खेती नहीं की जाती है। ऐसे में अब बागवानी विभाग जलवायु की उपयुक्तता को देखते हुए किसानों को हिले फार्म के साथ ही आस-पास के गांवों में केसर और आइफिल की खेती के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। इसके लिए केसर और आइफिल के पौधे जम्मू और कश्मीर राज्य से प्राप्त किए जा रहे हैं।

जिला प्रशासनिक केंद्र में महिला दिवस आयोजित

अनुगामनी का.सं.

पाकिम, 06 मार्च । आगामी 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर आज पाकिम जिला प्रशासनिक केंद्र द्वारा रूर्बन कम्युनिटी सेंटर में इसका भव्यता के साथ आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला उपाध्याय श्रीमती प्रभा प्रधान, डीसी ताशी चोफेल, एडीसी अनूपा टामलिंग, एसडीएम छिरिंग नोर्गेयाल थेंग, एसडीएम मुख्यालय थेंडुप लेप्चा के अलावा जिला पंचायत, पंचायत अध्यक्ष और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

इस दौरान पाकिम डीसी, एडीसी, एसडीएम तथा एसडीएम मुख्यालय ने अपने वक्तव्य में एक गृहिणी होने के साथ ही एक शिक्षिका, मां और एक बेटी के रूप में महिला की भूमिका को रेखांकित करते हुए महिलाओं के उत्थान के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख किया। जिला कलक्टर ने सभी महिलाओं को बधाई देते हुए और समाज और राष्ट्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को याद किया। इस अवसर पर जिला उपाध्याय श्रीमती प्रभा प्रधान का अभिनंदन किया गया।

वहीं एडीसी ने महिला सशक्तिकरण को सही मायने में परिभाषित करने वाले तत्वों को रेखांकित किया। उन्होंने राज्य में महिलाओं के कल्याण एवं उत्थान हेतु सरकार द्वारा शुरू की गईं भहिनी योजना, अम्मा सशक्तिकरण योजना और राज्य राजनीति में उनके प्रतिनिधित्व के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम में टीबी से लड़ कर जीतने वाली सुश्री सृष्टि सुब्बा ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए टीबी होने के बाद के दर्दनाक अनुभव और इससे जुड़ी रूढ़िवादिता के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि मजबूत चेतना और इच्छा शक्ति के बल पर ही उन्हें अपनी बीमारी से उबरने में मदद मिली।

वहीं कार्यक्रम में स्टार ऑफ होप एनजीओ अध्यक्ष बिकाश थापा और महिला एवं युवा विकास के क्षेत्र में काम करने वाली श्रीमती संगीता दहाल ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में जिला अधिकारियों के साथ पाचे सीनियर सेकेंडरी स्कूल और राईगांव स्कूल के शिक्षकों ने खेल एवं संगीत की प्रस्तुति दी।

आईसीएआर के वैज्ञानिकों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच हुई बैठक

अनुगामनी नि.सं.

सोरेंग, 06 मार्च । सोरेंग जिला कलेक्टर सभागार में आज विभिन्न विषयों पर चर्चा हेतु आईसीएआर के वैज्ञानिकों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच एक बैठक हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने इलायची की घटती उपज को देखते हुए बेहतर उपाय करने हेतु इलायची उत्पादकों से चर्चा करने और उनकी समस्याओं का पता लगाने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने कृषि एवं बागवानी अधिकारियों को इलायची की खेती करने वालों और आईसीएआर अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों के बीच बातचीत के लिए सभी छह ब्लॉक प्रशासनिक केंद्रों में चर्चा कार्यक्रम आयोजित करने की भी सलाह दी है। इसके अलावा डीसी ने विभिन्न ऊंचाई से मिट्टी के नमूने एकत्र करने और अन्य फसलों के लिए भी फसल उपयुक्तता की जांच करने को कहा।

जानकारी के अनुसार उक्त बैठक में इलायची की खेती के लिए मिट्टी की उपयुक्तता हेतु मिट्टी परीक्षण; इसी सप्ताह जिलों के उच्च, मध्य और निम्न ऊंचाई स्तरों से नमूने एकत्र कर उन्हें केरल स्थित केंद्रीय प्रयोगशाला में भेजने का निर्णय लिया गया। बताया गया कि इसकी रिपोर्ट लगभग 20 दिनों में आ जाएगी।

जी20 आयोजनों में पाकिम जिले की होगी विशेष भूमिका : राज शर्मा

अनुगामनी नि.सं.

पाकिम, 06 मार्च । राज्य में 15 से 20 मार्च तक आयोजित होने वाले जी20 आयोजनों की तैयारी के रोड मैप के एक हिस्से के रूप में आईपीआर विभाग के सहायक निदेशक श्री राज शर्मा ने अर्बन कम्युनिटी कॉम्प्लेक्स पाकिम आज एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने मुख्य सचिव और गृह विभाग के मार्गदर्शन में विभिन्न विभागों और एजेंसियों द्वारा समन्वित तरीके से की जा रही गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया।

उन्होंने कहा कि पाकिम की एक विशेष भूमिका होगी क्योंकि बी20 के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों का पाकिम हवाई अड्डे पर आने और जाने का कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में पाकिम जिले के भीतर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। हालांकि, सार्वजनिक भागीदारी या 'जन भागीदारी' आयोजनों की सफलता की कुंजी होगी।

श्री शर्मा ने उन प्रमुख अवसरों पर भी प्रकाश डाला जो सिक्किम को बी20 और स्टार्टअप 20 के माध्यम से विश्व समुदाय को पेश करने हैं। इनमें पर्यटन और आतिथ्य, कृषि, उद्योग, फार्मास्यूटिकल्स, पर्यावरण आदि शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की मेजबानी करना राज्य के लिए सम्मान की बात है। सिक्किम में होने वाला इस तरह का यह पहला अंतरराष्ट्रीय आयोजन है और इसलिए जी20 सचिवालय के समन्वय से राज्य सरकार द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

कार्यक्रम के दौरान जिला उपाध्याय श्रीमती प्रभा प्रधान, जिले की जिला पंचायतें, पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, डीसी पाकिम, एडीसी पाकिम, एसडीएम पाकिम, एसडीएम (मुख्यालय), कार्यालयों के प्रमुख, सरकारी अधिकारी और स्कूल शिक्षक उपस्थित थे।

रूस वाले सिद्धांत पर चल रहा है चीन... लंदन में राहुल ने यूक्रेन युद्ध से की भारत की तुलना

नई दिल्ली, 06 मार्च (एजेन्सी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी इस समय ब्रिटेन में हैं। उन्होंने सोमवार को लंदन के हाउस ऑफ पार्लियामेंट परिसर में ब्रिटिश सांसदों को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान राहुल ने भारत-चीन के बीच जारी गतिरोध की तुलना रूस-यूक्रेन युद्ध से कर दी। उन्होंने कहा कि मेरे ख्याल में अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख की सीमाओं के पास जो चीनी सैनिक तैनात हैं उनके पीछे भी वही विचार है जो इस वक्त यूक्रेन में हो रहा है। मैंने विदेश मंत्री एस जयशंकर से इस बारे में बात भी की लेकिन वह मेरे विचार से असहमत दिखे। वह सोचते हैं कि यह एक हास्यास्पद विचार है।

लंदन में ब्रिटिश सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि रूस ने यूक्रेन से कहा कि हम यूरोप और अमेरिका के साथ आपके जो संबंध हैं उन्हें स्वीकार नहीं करते। यदि आप इन संबंधों को नहीं बदलेंगे तो हम आपकी क्षेत्रीय अखंडता को चुनौती देंगे। राहुल ने आगे कहा कि हमारे भारत की सीमाओं पर भी यही हो रहा है। चीन यह बिल्कुल नहीं चाहता कि हम अमेरिका से संबंध बनाएं। वह हमें धमकी दे रहा है कि अगर आपने अमेरिका से संबंध जारी रखे तो हम कार्रवाई करेंगे। गांधी ने आगे कहा कि यही कारण है कि आज चीन ने अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख के पास अपनी सेना तैनात कर रखी है।

'चीन हमारे 2000 वर्ग किलोमीटर पर बैठा हैं'

राहुल गांधी ने कहा कि चीन हमारे 2000 वर्ग किलोमीटर पर बैठा है। पीएम मोदी ने विपक्ष के हमारे नेताओं से कहा कि चीन भारत की एक इंच जमीन भी नहीं ले सकता। वहीं इसके साथ भारतीय जनता पार्टी पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा की बीजेपी की विचारधारा हिंसा और नफरत वाली है। आपने जरूर गौर किया होगा कि यह और भाजपा के स्वभाव में है।

छत्तीसगढ़ के बजट में बेरोजगार युवाओं को 2,500 रुपये का मासिक भत्ता देने का ऐलान

रायपुर, 06 मार्च (एजेन्सी)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोमवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2023-24 का 1,21,500 करोड़ रुपये का वार्षिक बजट पेश किया। बजट में राज्य के बेरोजगार युवाओं को 2,500 रुपये का मासिक भत्ता देने की घोषणा गई है।

बघेल ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, होम गार्ड, ग्राम कोटवारों के मानदेय में भी वृद्धि करने की घोषणा की।

कांग्रेस सरकार ने चुनावी साल में युवाओं, किसानों, मजदूरों, महिलाओं और कर्मचारियों को साधने की कोशिश की है।

बघेल ने कहा कि गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ की दृष्टि से पेश किया गया बजट कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए राज्य की समृद्धि और विकास पर केंद्रित है, जो छत्तीसगढ़ मॉडल के उद्देश्यों को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि यह बजट हमारी सरकार द्वारा वर्ष 2018 में छत्तीसगढ़ की जनता से किए गए वादों को पूरा करने का एक ईमानदार और मजबूत प्रयास है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेरोजगारों को भत्ता देने की नई योजना शुरू की जाएगी। योजना के तहत 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के 12वीं कक्षा उत्तीर्ण बेरोजगार युवा, जिनके परिवार की वार्षिक आय 2.50 लाख से कम होगी, उन्हें 2,500 रुपये प्रतिमाह भत्ता दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आंगनबाडी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का मासिक मानदेय क्रमशः 6,500 रुपये से बढ़ाकर 10 हजार रुपये और 3,250 रुपये से बढ़ाकर 5,000 रुपये प्रतिमाह किया जायेगा।

इसी तरह छोटे आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को 4,500 रुपये से बढ़ाकर 7,500 रुपये मानदेय दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने ग्राम कोटवारों के मानदेय में वृद्धि की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि ग्राम पटेलों का मासिक मानदेय दो हजार रुपये से बढ़ाकर तीन हजार रुपये किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्कूलों में कार्यरत सफाई कर्मियों का मानदेय 2,500 रुपये से बढ़ाकर 2,800 रुपये प्रतिमाह किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में मनेन्द्रगढ़, गीदम, जांजगीर चांपा और कबीरधाम जिलों में चार नये मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिये 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है. उन्होंने कहा कि बजट में किसी नए कर का प्रस्ताव नहीं है।

वादा पूरा न करने का आरोप आपराधिक कार्यवाही के लिए पर्याप्त नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 06 मार्च (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि केवल एक अनुबंध का उल्लंघन करने पर धोखाधड़ी का आपराधिक मुकदमा तब तक शुरू नहीं किया जा सकता, जब तक कि लेन-देन की शुरुआत में धोखाधड़ी का इरादा नहीं दिखाया गया हो। जोर देकर कहा गया है कि आपराधिक अदालतों का उद्देश्य सिविल विवादों को निपटाने के लिए पार्टियों पर दबाव डालना नहीं है।

न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने कहा : 'अनुबंध का उल्लंघन धोखाधड़ी के लिए आपराधिक अभियोजन को जन्म नहीं देता, जब तक कि लेन-देन की शुरुआत में धोखाधड़ी या बेईमानी का इरादा नहीं दिखाया गया हो। वादा पूरा करने में विफलता का आरोप आपराधिक कार्यवाही शुरू करने के लिए पर्याप्त नहीं है।'

पीठ ने पाया कि पूरा विचार एक दीवानी विवाद को आपराधिक में बदलने और कथित रूप से भुगतान की गई राशि की वापसी के लिए अपीलकर्ता पर दबाव बनाने का प्रतीत होता है।

इसमें कहा गया है, 'आपराधिक अदालतों का इस्तेमाल स्कोर निपटाने या दीवानी विवादों को निपटाने के लिए पार्टियों पर दबाव बनाने के लिए नहीं किया जाता है। जहां कहीं भी अपराधों की सामग्री बनती है, आपराधिक अदालतों को संज्ञान लेना होता है।'

शीर्ष अदालत ने आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी), 120बी (आपराधिक साजिश) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत एक याचिकाकर्ता के खिलाफ प्राथमिकी रद्द करने से इनकार करते हुए पंजाब और हरियाणा अदालत के आदेश को खारिज करते हुए ये टिप्पणियां कीं। शीर्ष अदालत हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली सरबजीत कौर की याचिका पर सुनवाई कर रही थी और यह मामला जमीन की बिक्री से जुड़ा था।

याचिकाकर्ता ने मई 2013 में सुरेंद्र सिंह की पत्नी मलकीत कौर के साथ जमीन का एक ख्लॉट खरीदने का समझौता किया था। बाद में उसने उसी जमीन को दर्शन सिंह की पत्नी को बेचने के लिए एक और समझौता किया। याचिकाकर्ता को 5 लाख रुपये और बाद में 75,000 रुपये और मिले।

समझौता नहीं होने पर दर्शन सिंह ने प्रॉपर्टी डीलर मनमोहन सिंह और रंजीत सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। 2016 में माना गया कि यह एक नागरिक विवाद था और किसी पुलिस कार्रवाई की जरूरत नहीं थी। इस शिकायत का खुलासा किए बिना दर्शन सिंह ने याचिकाकर्ता और प्रॉपर्टी डीलरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करा दी।

शीर्ष अदालत ने कहा : 'रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्यों से यह स्पष्ट है कि प्रतिवादी नंबर 2 (दर्शन सिंह) ने पहली शिकायत दर्ज होने के बाद से अपने मामले में सुधार किया था, जिसमें अपीलकर्ता के खिलाफ कोई आरोप नहीं था, बल्कि प्रॉपर्टी डीलरों के खिलाफ शिकायतों में अपीलकर्ता के नाम का उल्लेख किया गया था।'

पीठ ने कहा, 'विचाराधीन शिकायत, जिसके आधार पर एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी, बिक्री विलेख (सेल डीड) के पंजीकरण के लिए निर्धारित अंतिम तिथि के लगभग तीन साल बाद दर्ज की गई थी। ऐसे में कार्यवाही जारी रखने की अनुमति देना अदालत की प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा।'

शीर्ष अदालत ने अंत में कहा : 'इसलिए, हमारी राय में उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश को अलग रखा जाना चाहिए। अपीलकर्ता द्वारा प्राथमिकी को रद्द करने के लिए दायर याचिका को अनुमति देने का आदेश दिया गया है। परिणामस्वरूप, प्राथमिकी संख्या 430 दिनांक 16 अक्टूबर, 2017 और उसके बाद की सभी कार्यवाही को रद्द करने का आदेश दिया जाता है और अपील की अनुमति दी जाती है।'

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com